यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

पेज 03

सनातन धर्म सुरक्षित है तो दुनिया में सब कोई सुरक्षित हैः सीएम योगी

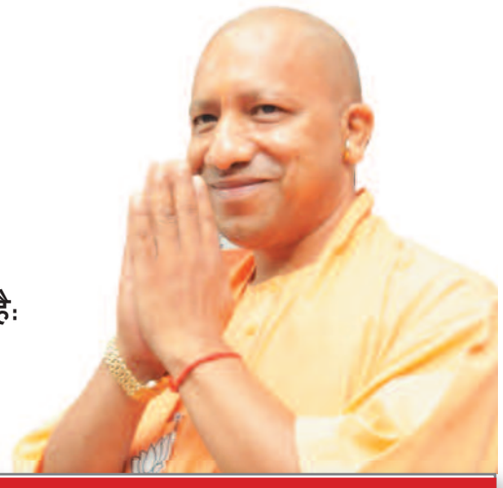

वर्ष : 31 अंक : 39 | सोमवार | RNI No. 62592/95 | 23 से 29 दिसंबर -2024, मोदीनगर (गाजियाबाद) | पृष्ठः 8 | मूल्य : ₹3 | email: u.p.observer@gmail.com

कुवैत में भारतीय कामगारों से बोले मोदी: गरीबों की गरिमा और सम्मान मेरे लिए सबसे अहम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कुवैत में गल्फ स्पिक लेबर कैंप का दौरा किया, जहां उन्होंने कुवैत में काम कर रहे भारतीय कामगारों से मुलाकात की। इस मुलाकात में प्रधानमंत्री ने देश के विकास में भारतीय कामगारों के योगदान का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि साल 2047 में भारत को विकसित बनाने में भारतीय कामगारों की अहम भूमिका रहेगी।

प्रधानमंत्री ने भारतीय कामगारों के साथ बातचीत में कहा कि 'जब मैं साल 2047 में विकसित भारत की बात करता हूं तो मैं ये इसलिए करता हूं क्योंकि अपने घर से इतनी दूर काम कर रहे भारत के मेरे मजदूर भाई भी ये सोचते हैं कि कैसे उनके गांव में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन सकता है। ये महत्वकांक्षा ही मेरे देश की ताकत है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'मैं लगातार इस बारे में सोचता रहता हूं कि मेरे देश के किसान, मजदूर कितनी कड़ी मेहनत करते हैं। जब मैं लोगों को कड़ी मेहनत करते देखता हूं तो मुझे लगता है कि अगर वे 10 घंटे काम कर सकते हैं तो मुझे भी 11 घंटे काम करना चाहिए। अगर वे 11 घंटे काम करते हैं तो मुझे भी 12 घंटे काम करना चाहिए। आप अपने परिवार के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, मैं भी परिवार के लिए मेहनत करता हूं। 140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं, इसलिए मुझे थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी होगी।'

'गरीबों का सम्मान मेरे लिए सबसे अहम'

पीएम मोदी ने कहा कि 'मेरे लिए विकास का मतलब सिर्फ सड़कें, हवाई अड्डे और रेलवे स्टेशन ही नहीं हैं बल्कि गरीबों के घर में शौचालय भी मेरे लिए विकास है। हमने देश में 11 करोड़ शौचालय बनाने का फैसला किया। गरीबों का पक्का मकान होना चाहिए। अब तक चार करोड़ पक्के मकान बन चुके हैं, जिनमें 15-16 करोड़ लोग रह रहे हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। मैं लोगों को नल से जल देने की कोशिश कर रहा हूं। मेरे लिए गरीबों की गरिमा और सम्मान ही सबसे अहम है। उन्हें ये सभी चीजें मिलनी चाहिए।'

प्रधानमंत्री ने भारतीय कामगारों से बात करते हुए कहा कि 'भारत में सबसे सस्ता इंटरनेट मिल रहा है। अब देश से दुनिया में कहीं भी ऑनलाइन बात की जा सकती है और इसकी लागत भी काफी कम है। वीडियो कॉल करने की लागत भी बेहद कम है। इससे लोगों को काफी आसानी हुई है और अब वे वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अपने परिजनों से बात कर सकते हैं।'

मकान दिलाएंगे, इलाज भी कराएंगे : सीएम योगी

लोगों से बोले सीएम, हर समस्या का कराएंगे प्रभावी निस्तारण

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजना से मकान दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं।

रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए।

जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने पक्के मकान की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मकान की सुविधा दी जाएगी। सरकार की मंशा है कि हर व्यक्ति के पास पक्का मकान हो। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। इस दौरान सीएम ने यह निर्देश भी दिए कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड है, उन्हें इलाज में किसी तरह की दिक्कत न होने आए। साथ ही जो पात्र लोग किन्हीं कारणों से वंचित हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं। कुशीनगर की एक महिला ने गंभीर बीमारी के इलाज के लिए मदद का अनुरोध किया तो मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान कार्ड होने के बाद यदि इलाज में किसी तरह की आर्थिक दिक्कत आएगी तो भी उसकी व्यवस्था करने में मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस को अपराधियों व भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खूब दुलारा और आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट गिफ्ट किया।

उत्तर प्रदेश पुलिस का महाअभियान, महाकुंभ समेत पूरे प्रदेश में तैनात होंगे 'डिजिटल वारियर्स'

महाकुंभ नगर। महाकुंभ में फेक न्यूज के खिलाफ अभियान चलाने, साइबर अपराध के प्रति जागरूकता एवं पुलिस के सराहनीय कार्यों को इंटरनेट मीडिया के विभिन प्लेटफार्म पर प्रसारित करने के लिए 'डिजिटल वारियर्स' को तैनात किया गया है। इसके लिए युवा पीढ़ी के इंटरनेट मीडिया इन्फ्लूएंसर्स एवं कालेज के छात्रों को जोड़ा गया है। इस अभिनव पहल की सफलता को देखते हुए अब पुलिस महानिदेशक ने इसे पूरे प्रदेश में लागू करने के लिए समस्त विभागाध्यक्षों और कार्यालयाध्यक्षों को निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों पर उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा वर्ष 2018 में एक सार्थक पहल करते हुए वाट्सएप पर सक्रिय समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को डिजिटल वालंटियर्स के रूप मे जोड़ा गया था। वर्ष 2023 में यूपी पुलिस के सभी पुलिसकर्मियों को जोड़कर 'वाट्सएप कम्यूनिटी ग्रुप' भी बनाए गए, जिनकी सहायता से भ्रामक खबरों का खंडन कराया जाता है।

वर्तमान में लगभग 10 लाख लोग डिजिटल वालंटियर्स के रूप में एवं लगभग दो लाख पुलिसकर्मी कम्यूनिटी ग्रुप के माध्यम से जुड़े हुए हैं। इन

डिजिटल वालंटियर्स के रूप में गांव, मोहल्ले और स्थानीय कस्बा के लोगों को जोड़ा गया, जिसके सार्थक परिणाम प्राप्त हुए हैं। डीजीपी प्रशांत कुमार द्वारा इसी दिशा में नवीन पहल करते हुए फेक न्यूज के खंडन, साइबर अपराध के प्रति जागरूकता एवं पुलिस के सराहनीय कार्यों को इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर व्यापक रूप से प्रसारित किए जाने के लिए युवा पीढ़ी के इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं कालेज-विश्वविद्यालय के छात्रों को यूपी पुलिस का ₹डिजिटल वारियर₹ बनाए जाने के संबंध में प्रदेश के सभी विभागाध्यक्ष और कार्यालयाध्यक्ष को महत्त्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं। प्रशिक्षण के लिए विश्वविद्यालयों, डिग्री कालेजों, स्कूलों और पुलिस लाइन में कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। स्कूलों, कालेजों और विश्वविद्यालयों में ""साइबर क्लब"" स्थापित होंगे। क्लब के माध्यम से कार्यशालाएं और रचनात्मक सत्र जैसे पोस्टर बनाना, स्लोगन/लघु कहानियां लिखना, इंटरनेट मीडिया के लिए क्रिएटिव एवं वीडियो कंटेंट बनाना इत्यादि गतिविधियां कराई जाएंगी। डिजिटल वारियर के रूप में केवल ऐसे व्यक्ति शामिल किए जाएंगे, जिनकी छवि स्वच्छ हो और जो विवादास्पद या नकारात्मक गतिविधियों में शामिल न हों। हर जिले में एसपी अपराध, डीसीपी क्राइम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएग । जनपद एवं मुख्यालय स्तर पर ""डिजिटल वारियर"" का एक वाट्सएप ग्रुप बनेगा।

आखिर बढ़ते मंदिर-मस्जिद विवाद पर संघ के भीतर क्या चल रहा है: भागवत

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत चाहते हैं कि उनका संगठन और उससे जुड़े लोग आगे की सोचें। वे मंदिर-मस्जिद जैसे संवेदनशील मुद्दों को राजनीतिक फायदे के लिए उछालने के बजाय समाधान ढूंढने पर ध्यान दें। कुछ संघ पदाधिकारियों ने हमारे सहयोगी अखबार 'ईटी' को यह जानकारी दी है। यह बातचीत दिल्ली में हुई। मोहन भागवत का मानना है कि भारत में सभी समुदायों का डीएनए एक है, इसलिए सबको साथ मिलकर रहना चाहिए।

संघ पदाधिकारियों का मानना है कि भागवत के ताजा बयान इसी सोच को दर्शाते हैं कि उन्होंने मंदिर-मस्जिद विवादों पर चिंता जताई है। लोगों को ऐसे मुद्दे न उठाने की सलाह भी दी है। राम मंदिर पर फैसले के बाद मोहन भागवत ने साफ कर दिया था कि

आरएसएस आगे कोई ऐसा आंदोलन नहीं चलाएगा।

एक वरिष्ठ संघ पदाधिकारी ने बताया, 'राम मंदिर का फैसला आने के बाद मोहन भागवत ने स्पष्ट कर दिया था कि आरएसएस भविष्य में राम मंदिर जैसा कोई नया आंदोलन चलाने की योजना नहीं बना रहा है। और वे इसी बात पर कायम हैं।' संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा था, 'चरमपंथ, आक्रामकता, बल प्रयोग और दूसरे देवताओं का अपमान हमारे देश की प्रकृति में नहीं है और यह अस्वीकार्य है।'

मोहन भागवत ने इसलिए दी नसीहत

आरएसएस चीफ का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कई जगह मस्जिदों को गिराने की मांग को लेकर मुकदमे दायर किए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि ये मस्जिदें मंदिरों की जगह पर बनी हैं। संघ पदाधिकारी ने बताया कि आरएसएस प्रमुख पहले भी लोगों से कह चुके हैं कि मस्जिदों में शिवलिंग न ढूंढें।

सदर तहसील में मनाया गया तहसील दिवस, विश्व ध्यान दिवस एवं सुशासन सप्ताह

शिकायतों एवं आवेदनों के निस्तारण के लिए अपनी ड्यूटी में से विशेष समय निकालें: डीएम इन्द्र विक्रम सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासनादेश के क्रम में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जनपद की तीनों तहसीलों में तहसील दिवस मनाया गया। जिसमें सदर तहसील में 40 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें कुल 07 का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं लोनी तहसील में 43 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें कुल 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसके साथ मोदीनगर तहसील में 95 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें कुल 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। इस प्रकार कुल 178 शिकायतें प्राप्त हुई और 15 का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया गया, इसके साथ ही विश्व ध्यान दिवस (वर्ल्ड मेडिटेशन डे) के अवसर पर ध्यान भी लगाया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निदेर्शानुसार भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी के उपलक्ष में "सुशासन सप्ताह" के अवसर पर पुनीत यादव अपर सचिव भारत सरकार द्वारा तहसील दिवस में आई शिकायतों और आवेदनों की जांच की गयी। माननीय महोदय को गॉड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित करते हुए जिलाधिकारी महोदय सहित अन्य अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। पुनीत यादव महोदय ने कहा कि हमें अपने कार्य को कुछ इस प्रकार से करना चाहिए कि लोगों को उससे प्रेरणा मिले और वह कार्य सम्मानीय हो, इसके लिए जरूरी है कि हम अपने स्तर पर आई शिकायतों और आवेदनों की जीरो पेंडेंसी रखे। हमें अपने कर्त्तव्यों के प्रति निष्ठा व ईमानदारी तो होनी ही चाहिए साथ ही जनहित की भावना को ध्यान में रखते हुए कार्य करना चाहिए। जिससे कि हम जन सामान्य को अपने स्तर पर कुछ लाभ दिला सके, जिसके हकदार हैं। हर शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुए उसका फीडबैक भी लिया जाएं। जिससे यह पता चल सके कि आपके निस्तारण से उक्त शिकायतकर्ता सन्तुष्ट है। इस कार्यक्रम के उपरान्त अपर सचिव महोदय द्वारा कन्नौज गांव का निरीक्षण करने हेतु प्रस्थान किया गया। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि सभी अधिकारीगण अपने स्तर पर आई शिकायतों एवं आवेदनों के निस्तारण के लिए अपनी ड्यूटी में से विशेष समय निकालें। जिससे कि कोई भी प्रकरण लम्बित ना रहे। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, डीसीपी सिटी महोदय, मुख्य विकास अधिकारी डॉ.अखिलेश मोहन, एसडीएम सदर श्री अरूण दीक्षित सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

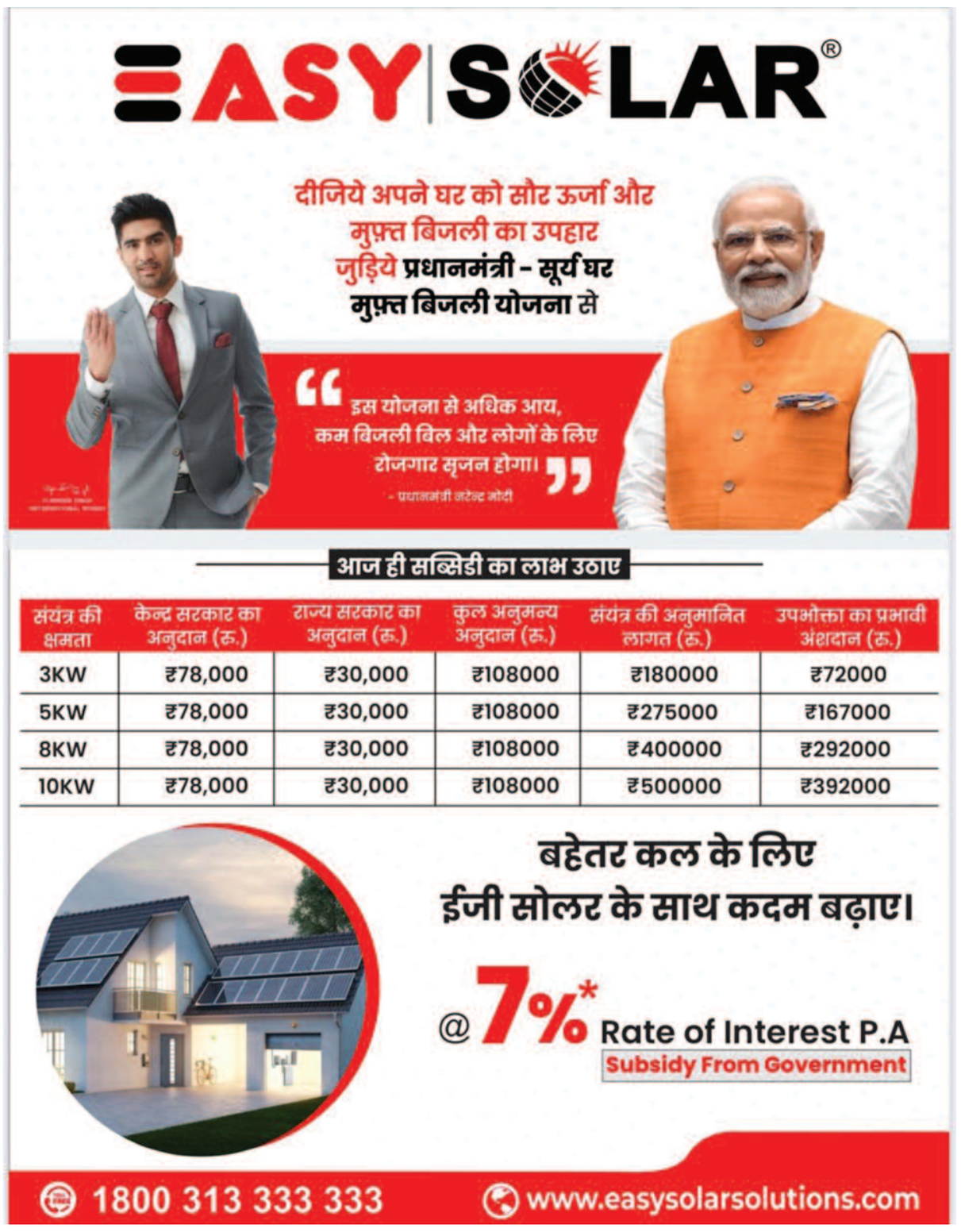

जिला कारागार में 'जेल प्रीमियर लीग डासना' का शुभारंभ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शुक्रवार को जिला कारागार गाजियाबाद पर जनपद न्यायाधीश गाजियाबाद अनिल कुमार-दशम, जिला मजिस्ट्रेट गाजियाबाद इन्द्र विक्रम सिंह, अपर पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट-गाजियाबाद कल्पना सक्सेना, अपर जिला मजिस्ट्रेट, गाजियबाद सिटी गम्भीर सिंह, अपर पुलिस उपायुक्त सच्चिदानन्द, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियबाद कुमार मिताक्षर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गाजियाबाद जसवीर सिंह यादव तथा संयुक्त निदेशक अभियोजन मुरारी मोहन पाण्डेय द्वारा जिला कारागार गाजियाबाद के संयुक्त त्रैमासिक निरीक्षण के अवसर पर कारागार पर उपस्थित होकर कारागार के वार्षिक शीतकालीन खेल महोत्सव 'जेल प्रीमियर लीग डासना (जे०पी०एल०डी०) के उद्घाटन में भाग लिया गया। 'जेल प्रीमियर लीग खेल महोत्सव सत्र 13 का शुभारम्भ मुख्य अतिथि माननीय जनपद न्यायाधीश गाजियाबाद अनिल कुमार दशम द्वारा अतिविशिष्ट अतिथि जिला मजिस्ट्रेट गाजियाबाद इन्द्र विक्रम सिंह एवं अन्य सम्मानित अतिथिगण की उपस्थिति में स्वयं क्रिकेट खेलकर किया गया। इस अवसर पर सम्मानित अतिथिगण द्वारा बैरक संख्या-08 एवं बैरक संख्या-21/22 के बीच जेपीएल के प्रथम मैच का आनन्द लेते हुये सभी बंदी खिलाड़ियों का उत्साहबर्धन किया गया।

माननीय जनपद न्यायाधीश गाजियाबाद एवं जिला मजिस्ट्रेट महोदय द्वारा कारागार में निरूद्ध बंदियों को चश्मे का वितरण किया गया एवं कारागार चिकित्सालय, पाकशाला, पुरुष एवं महिला अहाता का निरीक्षण करते हुए बंदियों की परेड देखी गयीं। कारागार में चलाये जा रहे कंप्यूटर प्रशिक्षण, प्रोढ़ शिक्षा, सिलाई प्रशिक्षण तथा जेल में साफ सफाई, सौंदर्याकरण, हरियाली, आर्ट गैलरी तथा विभिन्न संस्थाओं द्वारा कारागार में चलाये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। इस अवसर पर जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सा परामर्शदाता एम०के० तोमर, जेलर आलोक शुक्ला, डिप्टी जेलर अरविन्द कुमार, डा० बृजेश पाण्डेय, शिवानी यादव, कृती दोहरे, वरिष्ठ सहायक सी०एल० सिंह, फार्मासिस्ट कमलेश सिंह तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

व्यापार बंधु की बैठक सम्पन्न, जिलाधिकारी ने सुनी समस्यायें

व्यापारी बंधु अपनी शिकायतों के निस्तारण के लिए बिना बैठक के भी सम्पर्क कर सकते हैं: इन्द्र विक्रम सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के व्यापारी की उन्नति की मंशा व समृद्ध व्यापार एवं सुखी व्यापारी की संकल्पना के अनुरुप जनपद गाजियाबाद में जिलाधिकारी गाजियाबाद इन्द्र विक्रम सिंह ने व्यापार बंधु की बैठक में जिले के व्यापारियों की समस्याओं का संज्ञान लिया। व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित समस्याओं के संबंध में जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण के प्रति संवेदनशील है तथा समस्याओं से संबंधित विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये गये कि व्यापारियों के सम्मुख आने वाली समस्याओं के निस्तारण में कोई कोताही न बरती जाए। साथ ही व्यापारियों को भी आश्वस्त किया कि जिला गाजियाबाद में व्यापार करने में किसी प्रकार की समस्या आ रही है तो बिना व्यापार बंधु की बैठक के भी व्यापारी बंधु जिलाधिकारी से संपर्क कर अपनी समस्या का निस्तारण करा सकते है।

व्यापारी संगठनों द्वारा बैठक में सैक्टर-7/अ सिद्धार्थ विहार में प्लाट में बनी दुकानों और आवास एवं विकास परिषद के खाली पड़े प्लाटों के सामने प्रतिदिन झाड़ू लगवाने, रमते राम रोड पर अस्थायी कूड़े के ढेर से बाजार की सड़क के अवरुद्ध होने, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा पास किये गये नमूनों की रिपोर्ट व्यापारी को उपलब्ध कराने आदि समस्याएं रखी गयीं। उक्त बैठक के समापन में जिलाधिकारी द्वारा संबंधित विभागो को निर्देशित किया गया कि व्यापारियों द्वारा बैठक में उठायी गयी समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण किया जाए तथा व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुन कर निस्तारण कढ़ाई से करना सुनिश्चित करें। व्यापार बंधु की बैठक का संचालन राज्य कर विभाग के विनय कुमार गौतम, उपायुक्त (प्रशासन) राज्य कर गाजियाबाद द्वारा किया गया। बैठक में एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, जिलाजीत संयुक्त आयुक्त (कार्यपालक) सहित विद्युत विभाग, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, गाजियाबाद प्राधिकरण, खाद्य सुरक्षा के अधिकारीगण एवं अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

समय से कार्यालय नहीं पहुंचने वाले कर्मचारियों से नाराज हुए जीडीए वीसी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण सभागार में उपाध्यक्ष अतुल वत्स द्वारा समस्त अधिकारियों की बैठक ली गई। जिनमें मुख्यतः कार्यालय के क्रियाकलापों, अनुशासन, ससमय कार्यों के निस्तारण के लिए समस्त विभागाध्यक्षों को मॉनिटरिंग के लिए निर्देशित किया गया।

इसके अतिरिक्त बुधवार को निर्देशों की अवहेलना करते हुये समय से कार्यालय में न आने वाले कर्मचारियों का एक दिन का वेतन आहरित न करने हेतु वित्त नियंत्रक को निर्देशित किया गया। उपाध्यक्ष अतुल वत्स द्वारा बुधवार को गंगोत्री टॉवर, कौशाम्बी में अवैध अतिक्रमित फ्लैट्स को खाली कराकर सीलिंग की कार्यवाही सफलतापूर्वक करने हेतु संबंधित अधिकारियों की प्रशंसा की गई।

साथ ही साथ उक्त फ्लैटों को जल्द से जल्द नीलामी के माध्यम से विक्रय किये जाने से पूर्व गंगोत्री टॉवर की समस्याओं के स्थायी निराकरण हेतु प्रभारी अभियंत्रण जोन-6 को निर्देशित किया गया। यह भी सुनिश्चित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया कि उक्त अनुरक्षण कार्यों पर आने वाले व्यय का भुगतान किस मद से किया जायेगा। इस हेतु पूर्व में ही सुविचारित प्रस्ताव तैयार किये जायें।

सीएम ग्रिडस योजना को गति देने मे जुटा निगम, यूरीडा अधिकारी ले रहे हैं अपडेट

निर्धारित समयावधि में पूर्ण हो प्रोजेक्ट, मॉनिटरिंग करे निर्माण, संबंधित विभागों से समन्वय जरूरी: नगर आयुक्त

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। विक्रमादित्य सिंह मलिक नगर आयुक्त के नेतृत्व में सी एम ग्रिड योजना के अंतर्गत निरंतर कार्य को रफ्तार दी जा रही है। जनवरी 2026 में निर्धारित समय अवधि के अंतर्गत कार्य पूर्ण करने के लिए योजनाबध तरीके से कार्य किया जा रहा है, समय-समय पर शासन द्वारा भी कार्य की रिपोर्ट वर्चुअल बैठक के माध्यम से देखी जा रही है।

नगर आयुक्त द्वारा सभी निर्माण विभाग टीम को प्राथमिकता पर कार्य पूर्ण करने तथा संबंधित सभी विभागों से समन्वय बनाए रखने के लिए भी निर्देशित किया हुआ है। इसी क्रम में अर्बन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एजेंसी के अधिकारी भी गाजियाबाद नगर निगम निर्माण विभाग के साथ स्थलीय निरीक्षण कर रहे हैं।

मुख्य अभियंता निर्माण एन के चौधरी के द्वारा बताया गया नगर आयुक्त महोदय के निर्देश अनुसार सी एम ग्रिड योजना के अंतर्गत 40 करोड़ की लागत से तैयार होने वाले मार्ग को निरंतर मॉनिटरिंग किया जा रहा है। हिंडन एयर फोर्स स्टेशन के बाहर से मोहन नगर चौराहे तक समस्त मार्किंग व अवस्थापना संबंधित कार्य को पूर्ण किया जा चुका है। ग्रैप के उपरांत कार्य की रफ्तार बढ़ाई जाएगी' संबंधित सभी एजेंसियों के कार्य समय से पूर्ण हो विशेष समय अवधि का ध्यान रखा जा रहा है। संबंधित ठेकेदार को गुणवत्ता पूर्वक निर्धारित मानकों के क्रम में कार्य की रफ्तार बढ़ाने के लिए कहा गया है।

यूरिडा से एके श्रीवास्तव डिप्टी सीईओ द्वारा निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया गया।इस मौके पर हुए कार्य को देखा गया। जिसमें मार्किंग व अवस्थापना सुविधा संबंधित कार्य पूर्ण पाए गए, ग्रैप के उपरांत कार्य को अविलंब पूर्ण करने के लिए अधिकारियों को कहा गया। जिसकी मॉनिटरिंग निर्माण विभाग निरंतर करें निर्देश दिए गए, मौके पर निर्माण विभाग के सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना एक निःशुल्क योजना, किसी के बहकावें में ना आएं: पीओ डूडा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह के निदेर्शानुसार पीओ डूडा, कार्यालय जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), गाजियाबाद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रधानमन्त्री आवास (शहरी), एक निःशुल्क योजना है जिसने लाभार्थी से किसी भी प्रकार का कोई भी शुल्क जमा नहीं कराया जाता है। पीओ डूडा ने बताया कि आम जनता से अपील की जाती है कि डूडा कार्यालय के बाहर इस प्रकार के किसी भी अनाधिकृत व्यक्तियों के बहकावे में आने से बचे और यदि कोई व्यक्ति डूडा कार्यालय द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी एवं ए०एच०पी० तथा अन्य किसी भी आवासीय योजना में आवेदन कराने/लाभ दिलाने के नाम पर पैसे आदि की मांग करता है, तो इस सम्बन्ध में तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचित करते हुए डूडा कार्यालय नगर निगम बेसमेन्ट नवयुग मार्किट गाजियाबाद में अथवा सम्बन्धित निकाय के कार्यालय में लिखित रूप से साक्ष्यों सहित अवगत कराये, जिससे कि असामाजिक तत्वों के विरूद्ध नियमानुसार कानूनी कार्यवाही अमल में लायी जा सके। अतः सभी से अनुरोध है कि जागरूक, सतर्क और सावधान रहे, गलत कार्य करने वालों की शिकायत करें।

पीएम आवास योजना के अंतर्गत बन रहे भावनाओं का निरीक्षण करने पहुंचे नोडल अधिकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासन की शीर्ष प्राथमिकता में शामिल गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा निमार्णाधीन प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 1200 भवनों के प्रगति की समीक्षा किये जाने हेतु उपाध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देशित किया गया है। उक्त के क्रम में आज दिनांक 20.12.2024 को प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रताप विहार में निमार्णाधीन 1200 भवनों का प्राधिकरण के संबंधित जोन के प्रभारी, सहायक प्रभारी, अवर अभियन्ता एवं समस्त स्टाफ के साथ जिलाधिकारी महोदय द्वारा नामित नोडल अधिकारी के साथ संयुक्त निरीक्षण किया गया। स्थल निरीक्षण के दौरान पाया गया कि 1152 भवनों का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है, जिनमें 720 भवनों का फीनिशिंग एवं रंगाई-पुताई का कार्य किया जा चुका है तथा 480 भवनों का प्लास्टर किया जा रहा है। फिनीश्ड भवनों के निरीक्षण के दौरान कुछ कमियों को इंगित किया गया, जिन्हें 15 दिन में समस्त कमियों को दूर करने हेतु संबंधित ठेकेदार को निर्देशित किया गया।

इसके साथ ही आगामी निरीक्षण 15 दिन बाद उक्त टीम के साथ पुनः किया जाना निर्धारित किया गया है। निरीक्षण के दौरान अभियंत्रण, जोन-4 के अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता के साथ-साथ जिला समाज कल्याण अधिकारी, सहायक अभियंता, गंगा जल इकाई, सहायक अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, खण्ड-2 आज उपस्थित रहे।

प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निराकरण और प्रत्येक आवेदन का समयान्तराल नियमानुसार निस्तारण आवश्यक: डीएम इन्द्र विक्रम सिंह

किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना का लाभ दिलाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए: जिलाधिकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा अपर जिलाधिकारी प्रशासन कार्यालय कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई की गयी। जनसुनवाई के दौरान एडीएम ई रणविजय सिंह, एडीएम एल/ए विवेक मिश्र, एडीएम सिटी गम्भीर सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। जिलाधिकारी से सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण निराकरण और प्रत्येक आवेदन का समयान्तराल नियमानुसार निस्तारित किया जाना सुनिश्चित किया जाएं।

उन्होने कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना का लाभ दिलाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। जनसुनवाई के दौरान डूडा से सम्बंधित लोन आवेदन खारिज करना, विद्युत विभाग द्वारा कनेक्शन ना लगाने, नालियों की सफाई, पुलिस विभाग सहित नगर निगम, निकायों, राजस्व, झगड़ें आदि के सम्बंध में शिकायतें एवं बालकनी में लोहे की सीढ़ी लगाना, योजनाओं का लाभ, नाली–खडंजे का निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य सहित अन्य आवेदन व विकलांग द्वारा मद हेतु निवेदन किया गया। जिलाधिकारी द्वारा सभी कि शिकायतें, आवेदन को क्रमवार ध्यानपूर्वक सुनने व पढ़ने के उपरान्त सभी के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आदेश दिए गये। उन्होने विकलांग व्यक्ति हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया कि उक्त व्यक्ति को पंजीकृत कर उसकी पात्रता को देखत हुए त्वरित उन्हें लाभ दिलाया जायें।

जीडीए वीसी के निर्देश पर पीएम आवास योजना के भवनों का किया निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासन की शीर्ष प्राथमिकता में शामिल गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा निमार्णाधीन प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 1200 भवनों के प्रगति की समीक्षा किये जाने के लिए उपाध्यक्ष अतुल वत्स द्वारा निर्देशित किया गया है। उक्त के क्रम में शुक्रवार को प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रताप विहार में निमार्णाधीन 1200 भवनों का प्राधिकरण के संबंधित जोन के प्रभारी, सहायक प्रभारी, अवर अभियन्ता एवं समस्त स्टाफ के साथ जिलाधिकारी द्वारा नामित नोडल अधिकारी के साथ संयुक्त निरीक्षण किया गया। स्थल निरीक्षण के दौरान पाया गया कि 1152 भवनों का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है, जिनमें 720 भवनों का फीनिशिंग एवं रंगाई-पुताई का कार्य किया जा चुका है तथा 480 भवनों का प्लास्टर किया जा रहा है। फिनीश्ड भवनों के निरीक्षण के दौरान कुछ कमियों को इंगित किया गया, जिन्हें 15 दिन में समस्त कमियों को दूर करने हेतु संबंधित ठेकेदार को निर्देशित किया गया। इसके साथ ही आगामी निरीक्षण 15 दिन बाद उक्त टीम के साथ पुनः किया जाना निर्धारित किया गया है। निरीक्षण के दौरान अभियंत्रण, जोन-4 के अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता के साथ-साथ जिला समाज कल्याण अधिकारी, सहायक अभियंता, गंगा जल इकाई, सहायक अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, खण्ड-2 उपस्थित रहे।

छात्राओं को उत्तम गुणवत्ता के कंबल वितरित किए

गाजियाबाद। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय लोनी कक्षा 6 से 8 तक संचालित था लेकिन वर्तमान सत्र में यह कक्षा 9 से 12 तक की कक्षाओं के लिए उच्चकृत आवासीय विद्यालय हो गया है।

ठंड के बढ़ते हुए प्रकोप को ध्यान में रखते हुए रेड क्रॉस गाजियाबाद ने निदान स्वरूप अध्यक्ष इंद्र विक्रम सिंह की प्रेरणा से लोनी क्षेत्र में सरकार द्वारा विकसित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं को उत्तम गुणवत्ता के कंबल वितरित किए गए।

सीडीओ अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। जनपद में कुल 90419 मात्र के सापेक्ष 083029 को मध्यान्ह भोजन वितरण किया जा रहा है जो लक्ष्य का 64.05 प्रतिशत है, जिससे जनपद को ई श्रेणी व शून्य माउंस प्राप्त होने के कारण जनपद को 75 की रैंक प्राप्त हुई है। बेसिक शिक्षा कोडिनेटर द्वारा अवगत कराया गया कि स्कूलों को हाईब्रिड मोड होने के कारण क्लास ऑनलाईन व ऑफलाईन जिस कारण बच्चों की उपस्थिति कम रहती है तथा 11 स्कूलों को याचिका लंबित होने के कारण विद्यालयो द्वारा मध्य भोजन का वितरण नहीं किया गया। इस पर रोष व्यक्त करते हुये निर्देश दिये गये की माह दिसम्बर 2024 में प्रगति करते हुये जनपद की रैंक में अपेक्षित सुधार करना सुनिश्चित करे।

राज्य वित्त आयोग ग्राम पंचायत

5 वा राज्य वित्त आयोग में प्रारम्भिक अवशेष रू0 3.45 करोड थी, इस वित्तीय वर्ष में रू0 13.70 करोड की धनराशि प्राप्त हुई है। वर्तमान में कुल रू0 17.15 करोड उपलब्ध के सापेक्ष रू0 16.06 करोड व्यय किया जा चुका है, जोकि 97.14 प्रतिशत है जिसके कारण जनपद को रसी श्रेणी व 5 मार्वस प्राप्त होने के कारण 57 वी रैंक प्राप्त हुई। इस पर पंचायत राज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि 5 वीं राज्य वित्त आयोग में 97 14 प्रतिशत व्यय कर लिया गया है। माह दिसम्बर 2024 की प्रगति में 99 प्रतिशत कर लिया जायेगा, समस्त विकास खण्डो के सहायक विकास अधिकारियों को 90 प्रतिशत व्यय करने हेतु अवगत अवगत करा दिया गया है। इस पर रोष व्यक्त करते हुये निर्देश दिये गये है कि माह दिसम्बर, 2024 की रैंक में अपेक्षित सुधार कराना सुनिश्चित करे। 15 वीं वित्त आयोग में प्रारम्भिक अवशेष रू० 5.33 करोड थी. इस वित्तीय वर्ष में 00 12.26 करोड की धनराशि प्राप्त हुई है। वर्तमान में कुल 50 17.59 करोड उपलब्ध के सापेक्ष रू० 16.75 करोड व्यय किया जा चुका है जो कि 95.23 प्रतिशत है। जिसके कारण जनपद की रबीर श्रेणी व 8 मार्वस प्राप्त होने के कारण 19 वी रैंक प्राप्त हुई। पंचायत राज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि इस सम्बन्ध में 15 वीं वित्त आयोग में 95.23 प्रतिशत व्यय कर लिया गया है माह दिसम्बर, 2024 की प्रगति में 99 प्रतिशत व्यय कर लिया जायेगा। समस्त विकास खण्डो के सहायक विकास अधिकारियों को 90 प्रतिशत व्यथ करने हेतु अवगत करा दिया गया है। निर्देश दिये गये है कि माह दिसम्बर 2024 कि प्रगति में अपेक्षित सुधार कर लिया जाये जिससे जनपद की रैंक में सुधार हो सके।

सामूहिक विवाह योजना

योजनान्तर्गत जनपद में 1434 लक्ष्य के सापेक्ष 135 आवेदन प्राप्त हुये जिसमें 37 आवेदन स्वीकृत करते हुये 30 जोड़ो का विवाह कराया गया। जिसके कारण जनपद को ई श्रेणी व एक मार्वस प्राप्त होने के कारण 46 वी रैंक प्राप्त हुई। इस पर जिला समाज अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में लाभार्थियों कुल 45 आवेदन प्राप्त हुये है तथा आवेदन स्वीकृत करने की कार्यवाही की जा रही है। निर्देश दिये गये कि जनपद का लक्ष्य कम करने के लिए अपने विभाग के निदेशालय को पत्र प्रेषित कराना सुनिश्चित करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन, अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व, अर्थ एवं संख्याकी अधिकारी, प्रोबेशन अधिकारी, दिव्यांग अधिकारी, वह अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सनातन धर्म सुरक्षित है तो दुनिया में सब कोई सुरक्षित है: सीएम योगी

अयोध्या धाम में आयोजित अष्टोत्तरशत 108 श्रीमद्भागवत पाठ, पंच नारायण महायज्ञ में शामिल हुए सीएम योगी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या धाम के अशर्फी भवन आश्रम में आयोजित भव्य अष्टोत्तरशत 108 श्रीमद्भागवत पाठ और पंच नारायण महायज्ञ में भाग लिया। सीएम योगी ने महायज्ञ में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए आहुतियां अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सनातन धर्म ही भारत का राष्ट्रीय धर्म है और इसे सुरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि धर्म और संस्कृति के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और शांति का प्रसार होता है। ऐतिहासिक मंदिरों पर आक्रमण की घटनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग इन पवित्र स्थलों को नष्ट करने का काम करते थे, उनका कुल और वंश नष्ट हो गया। सीएम योगी ने कहा कि औरंगजेब के परिवार के लोग आज रिक्शा चला रहे हैं। यह उनकी दुर्गति है। अगर उन्होंने पुण्य किए होते और मंदिरों को न तोड़ा होता, तो क्या उनकी ऐसी स्थिति होती? उन्होंने कहा कि विश्व शांति की स्थापना केवल सनातन धर्म के माध्यम से हो सकती है। यह शाश्वत धर्म है, जो सृष्टि के आरंभ से ही चला आ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विरासत और विकास के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने अयोध्या में हो रहे विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार ने संतों के मार्गदर्शन में अयोध्या के वैभव को पुनः स्थापित करने का कार्य किया है। रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण और अयोध्या धाम का विकास इसका जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह यज्ञ न केवल आत्मशुद्धि और पर्यावरण शुद्धि का माध्यम है, बल्कि यह सनातन धर्म की रक्षा और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार भी करता है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन मां सरयू के पवित्र अंचल और भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर हो रहा है, जो इस यज्ञ को और भी विशेष बनाता है।

मुख्यमंत्री ने पंचनारायण महायज्ञ के आयोजन के लिए जगद्गुरु रामानुजाचार्य पूज्य स्वामी शंकराचार्य महाराज और उनकी टीम का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस यज्ञ का पुण्य पूरे भारतवासियों को प्राप्त होगा। इस महायज्ञ में कैबिनेट मंत्री सूर्यप्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, जेपीएस राठौर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, धर्म-अध्यात्म से जुड़े कई प्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सभी को ऐतिहासिक गलतियों से सबक लेने की आवश्यकता है: सीएम

सीएम योगी ने कहा कि जिन गलतियों की वजह से भारत को गुलामी की बेड़ियां झेलनी पड़ीं और हमारे धर्म स्थलों का अपमान हुआ, उन्हें दोबारा नहीं दोहराया जाना चाहिए। उन्होंने भारतवासियों से सनातन धर्म की रक्षा और संरक्षण के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। सीएम योगी ने कहा कि अगर विश्व मानवता को बचाना है तो सनातन धर्म का सम्मान करना होगा। यह धर्म सभी के कल्याण की बात करता है। उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम् का संदर्भ देते हुए कहा कि यह केवल सनातन धर्म है, जिसने हर जाति और मजहब के लोगों को विपत्ति के समय शरण दी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत तब तक भारत है जब तक यहां सनातन धर्म सुरक्षित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस धर्म के संरक्षण और संवर्धन के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि युगों-युगों से सनातन धर्म ने सृष्टि के साथ तालमेल बनाकर खुद को जीवंत बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इसे किसी भी प्रकार की विकृतियों या विसंगतियों से बचाने के लिए हमें सतर्क रहना होगा। भारत तब तक भारत है जब तक भारत के अंदर सनातन धर्म सुरक्षित है। इसकी रक्षा के लिए इसके संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर के कार्य करना होगा। यह एक शाश्वत धर्म है, सृष्टि के साथ चला हुआ धर्म है हो सकता है कि किसी कालखंड में कुछ विसंगतिया आई हो लेकिन, विसंगती का परिमार्जन भी हमारे ऋषि मुनि संतो के माध्यम से समय-समय परमहापुरुषों के द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करते हुए हम करेंगे। कहीं भी हम आपसी उन फूट का, आपसी बंटवारे का, आपसी विभाजन की गलतियों को पूरे देश और पूरे धर्म को नहीं भुगतने देंगे, इस संकल्प के साथ हमें आगे बढ़ना होगा।

धार्मिक स्थलों को को अपवित्र करने वालों का आज अस्तित्व नहीं है: योगी

सीएम योगी ने कहा कि आज बांग्लादेश में क्या हो रहा है, पाकिस्तान में क्या हुआ था, इससे पहले अफगानिस्तान में क्या हुआ ? मैं पूछना चाहता हूं उन लोगों से वह कौन लोग थे जिन्होंने देश के अंदर सनातन धर्म से जुड़े हुए उन मान बिंदुओं को नष्ट करने का काम किया था, और क्यों किया था, उसके पीछे की नियत क्या थी। उसके पीछे की नियति थी अपने कुकृत्यों को अंजाम दे करके पूरी धरती को नर्क बनाने की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी में काशी विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि, मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि, संभल में कल्की अवतार की हरिहर भूमि, भोज में ज्ञान के अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती के पावन मंदिर जैसे पवित्र स्थलों को अपवित्र करने वालों का आज कोई अस्तित्व नहीं है। यह उनके पापों का परिणाम है।

योगी सरकार की अनूठी पहल से महिलाएं संभाल रहीं प्लंबर, फिटर और पंप ऑपेरटर की कमान

जल जीवन मिशन के तहत ग्राम पंचायतों पर दे रहीं अपनी सेवाएं, आधी आबादी के लिए बनीं प्रेरणास्रोत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ/लखीमपुर खीरी। योगी सरकार आधी आबादी को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। ऐसे में प्रदेशभर में विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। योगी सरकार द्वारा जल जीवन मिशन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने एवं उन्हे ग्राम पंचायत स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए पांच ट्रेड क्रमशः प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, पंप ऑपरेटर और मोटर मैकेनिक की ट्रेनिंग दी जा रही है। इसके अलावा प्रदेश की 4 लाख से अधिक महिलाओं को वॉटर टेस्टिंग की ट्रेनिंग दी गयी है। वहीं राजगिरी मिस्त्री की ट्रेनिंग दी जा रही। सीएम योगी की अनूठी पहल को साकार करते हुए लखीमपुर खीरी में 168 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्लंबर, फिटर और पंप ऑपरेटर की ट्रेनिंग देने के साथ टूल किट वितरित की गयी। बता दें कि लखीमपुर खीरी पूरे प्रदेश में पहला ऐसा जिला होगा, जहां सबसे अधिक 168 महिलाएं प्लंबर, फिटर और पंप ऑपरेटर की कमान संभालेंगी।

प्रशिक्षुओं को दी गयी निशुल्क टूल किट

मिशन के तहत सभी महिलाओं को प्रशिक्षण के बाद प्लंबर ट्रेड की टूल किट में हथौड़ी, ब्लेड, इंची टेप, टेपलान टेप, छेनी, पाइप रिंच वितरित किया गया। इसी तरह फिटर ट्रेड में पाइप रिंच, हथौड़ा, पेचकस, कटर, पंप पंप और ऑपरेटर ट्रेड के लिए प्लास, ब्लेड, कटर, पेचकस, टेस्टर, रिंच, टेप टूलकिट का वितरण किया गया। प्रत्येक ट्रेड में 56-56 समूह की महिलाओं ने ट्रेनिंग प्राप्त की। डीएम ने बताया कि अटल सभागार में व्यावहारिक प्रशिक्षण लेने के बाद तहसील व ब्लॉक लखीमपुर के ग्राम पंचायत कालाआम में सभी 168 महिलाओं की कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में फील्ड विजिट कराकर हैंड्सऑन ट्रेनिंग भी कराई गई। इन महिलाओं ने गांव की परियोजना को न केवल देखा और समझा बल्कि जमीन पर भी काम को करके देखा।

ट्रेनिंग दी गयी। लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गाशक्ति नागपाल ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत पूरे प्रदेश में 1,297 महिलाओं को प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, फिटर, पंप ऑपरेटर, मोटर मैकेनिक और राजगिरी मिस्त्री की ट्रेनिंग दी गयी है। वहीं सीएम योगी की महिलाओं को जल मिशन के तहत रोजगार उपलब्ध कराने की अनूठी पहल को साकार करते हुए अकेले लखीमपुर खीरी में सबसे अधिक 168 महिलाओं को प्लंबर, फिटर और पंप ऑपरेटर की ट्रेनिंग दी गयी है। डीएम दुर्गाशक्ति नागपाल के अनुसार अक्सर देखने में आता है कि पुरुष दिन में काम करने चले जाते हैं। इस दौरान घर की महिलाओं को पानी से संबंधित समस्या जैसे नल का खराब हो जाना, पानी न आना का सामना करना पड़ता है।

ऐसे में जब इसे ठीक करने पुरुष पहुंचते हैं तो वह असहज हो जाती हैं। इसे देखते हुए महिलाओं को नल को रिपेयर करने, टंकी का संचालन और फिटर की ट्रेनिंग दी गयी है। इससे जहां घर में मौजूद अकेली महिला सहज होंगी तो वहीं दूसरी ओर ये महिलाएं दूसरों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेंगी।

प्रदेश में सबसे अधिक खीरी की 168 महिलाएं संभालेंगी प्लंबर, फिटर और पंप ऑपरेटर की जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप लखीमपुर खीरी में स्वयं सहायता समूह की 168 महिलाओं को चार दिवसीय प्रशिक्षण में प्लंबर, फिटर और पंप ऑपरेटर की

प्रदेश के 10 जिलों में बेटियों को रहने की मुफ्त सुविधा देगी योगी सरकार

अलीगढ़, आजमगढ़, कानपुर नगर, झांसी, मीरजापुर, मेरठ समेत दस जिलों में दी जाएगी सुविधा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। योगी सरकार सकटग्रस्त घरेलू हिंसा से पड़ित और आपदा वाली महिलओं के पुर्नवासन और मुख्य धारा में जोड़ने के लिए प्रदेश भर में शक्ति सदन का संचालन शुरू कर रही है। इसके लिए प्रदेश के 10 जिलों का चयन किया गया है, जिसमें विभिन्न विभिन्न श्रेणी के अंतर्गत पीड़ित बेटियों और महिलाओं को उनकी बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ पुनर्वासन और उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने जाने का भी काम होगा। भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित मिशन शक्ति की उप योजना सामर्थ्य के अंतर्गत सरकार इस योगी सरकार शक्ति सदन का संचालन करेगी। पाइलट प्रोजक्ट के तहत प्रदेश के 10 जिलों में शक्ति सदन के संचालन को स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है और इसे शुरू करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गयी है। शक्ति सदन में 50 महिलाओं के रहने की व्यवस्था होगी। इसके लिए आवासीय भवन का चयन किया जा रहा है। यह भवन ऐसे स्थान पर होगा, जहां से जिला मुख्यालय निकट हो और उस स्थान तक आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो। महिला कल्याण विभाग प्रदेश के 10 जिलों वाराणसी, अलीगढ़, आजमगढ़, कानपुर नगर, चित्रकूट, झांसी, गोण्डा, बस्ती, मिजार्पुर और सहारनपुर में शक्ति सदन के संचालन योगी सरकार करेगी। शक्ति सदन के संचालन के लिए उपयुक्त आवासीय भवन की तलाश की जा रही है। इसके लिए भवन किराए पर लिया जाएगा। संबंधित जनपदों में 50 की स्वीकृत क्षमता वाले इन भवनों में महिलाओं और बेटियों के रहने की पूरी व्यवस्था होगी। शक्ति सदन में आश्रय, भोजन, कपड़े, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के साथ-साथ अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराया जाएगा। शक्ति सदन के सुचारू रूप से संचानल के लिए सेवा प्रदाता के माध्यम से 9 कर्मचारियों का जल्द से चयन किया जाएगा।

प्रयागराज के दशाश्वमेध घाट पर स्थापित हैं सृष्टि के प्रथम पूज्य आदि गणेश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

महाकुम्भनगर। तीर्थराज प्रयागराज सनातन आस्था की प्रचीनतम नगरियों में से एक हैं। प्रयागराज में अति प्राचीन एवं विशिष्ट मान्यताओं के कई मंदिर है जिनका वर्णन वैदिक वांग्मय और पुराणों में आता है। उनमें से ही एक अति विशिष्ट मंदिर है दारागंज स्थित ऊँकार आदि गणेश भगवान का मंदिर। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान गणेश जी ने सृष्टि में सर्वप्रथम प्रतिमा रूप यहां गंगा तट पर ही ग्रहण किया था। इस कारण ही इन्हें आदि गणेश कहा गया। यह सृष्टि के आदि व प्रथम गणेश है। मान्यता है इनके दर्शन और पूजन के बाद प्रारम्भ किया गया कार्य निर्विघ्न पूरा होता है। मंदिर में स्थापित गणेश विग्रह के प्राचीनता के विषय में सही ढंग से कुछ नहीं कहा जा सकता,

■ पौराणिक मान्यता है कि ऊँकार स्वंय यहां आदि गणेश रूप में मूर्तिमान होकर हुए थे स्थापित

लेकिन मंदिर का जीर्णोद्धार 1585 ईस्वी में राजा टोडरमल ने करवाया था। महाकुम्भ-2025 के अवसर पर सीएम योगी के मार्गदर्शन में इस मंदिर का सौंदर्यीकरण हो रहा है। तीर्थराज प्रयागराज को सृष्टिकर्ता भगवान ब्रह्मा की यज्ञ स्थली माना गया है। पौराणिक मान्यता के अनुसार ब्रह्मा जी ने सृष्टि का प्रथम यज्ञ प्रयागराज में किया था जिसके कारण यह क्षेत्र प्रयागराज के नाम से जाना जाता है। इसी पौराणिक कथा के अनुसार सर्वप्रथम इसी क्षेत्र में गंगा तट पर त्रिदेव, ब्रह्मा विष्णु और महेश के संयुक्त रूप ऊँकार ने आदि गणेश का मूर्ति रूप धारण किया था जिनके पूजन के बाद ब्रह्मा जी ने इस धरा पर दस अश्वमेध यज्ञ किये। यही कारण हा कि यह गंगा तट दशाश्वमेध घाट कहलाया तथा भगवान गणेश के इस विग्रह को आदि ऊँकार गणेश कहा जाता है। मंदिर के पुजारी सुधांशु अग्रवाल का कहना है कि कल्याण पत्रिका के गणेश अंक में वर्णन है कि आदि कल्प के प्रारंभ में ऊँकार ने मूर्तिमान होकर गणेश जी का रूप धारण किया।

सीएम योगी ने रामलला व हनुमानगढ़ी का किया दर्शन-पूजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अपने एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पहले संकट मोचन हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। इसके बाद सीएम योगी ने श्रीरामलला के दरबार में हाजिरी लगाई, आरती की और मंदिर परिसर की परिक्रमा कर राम मंदिर निर्माण की प्रगति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरूआत संकट मोचन हनुमानगढ़ी मंदिर से की। उन्होंने यहां विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। यहां से निकल कर मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला के दर्शन किए। उन्होंने श्रीरामलला की आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी भी ली। राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उन्हें निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया। इससे पहले मुख्यमंत्री के अयोध्या आगमन पर रामकथा पार्क हेलीपैड पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी का दिसंबर महीने में दूसरा अयोध्या दौरा है। इससे पहले वह 5 दिसंबर को 43वें रामायण मेले के उद्घाटन के अवसर पर यहां आए थे।

सीएम योगी ने पार्टी पदाधिकारियों को दिया मिल्कीपुर उपचुनाव का विजय मंत्र

कुंदरकी व कटेहरी का चुनाव जीत सकते हैं तो कोई भी चुनाव जीता जा सकता है: योगी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। यहां वे श्री रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन के करने के बाद धार्मिक अनुष्ठान पंच नारायण महायज्ञ में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरयू अतिथि भवन में लगभग डेढ़ घंटे तक अयोध्या के विकास और मिल्कीपुर उपचुनाव के साथ ही महाकुंभ और श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ

अधिकारियों के साथ बैठक कर गहन विचार विमर्श किया। सीएम योगी ने यहां महाकुम्भ 2025 को लेकर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उचित व्यवस्था का निर्देश दिया। सीएम ने यहां मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर बीजेपी पदाधिकारियों और स्थानीय नेताओं के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की। सीएम योगी मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर गंभीर हैं। इसी के मद्देनजर उन्होंने यहां सरकार के मंत्रियों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों के साथ मिल्कीपुर चुनाव में अब तक की तैयारियों की समीक्षा की। मण्डल प्रभारी से लेकर अन्य पदाधिकारियों से चुनाव के सन्दर्भ में उन्होंने प्रश्न पूछे। सीएम योगी ने पार्टी पदाधिकारियों को चुनाव में विजय का मंत्र भी दिया। पदाधिकारियों में उत्साह का संचार करते हुए सीएम योगी ने कहा कि जब कुंदरकी व कटेहरी का चुनाव जीत सकते हैं तो कोई भी चुनाव जीता जा सकता है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने बूथ मैनेजमेंट व पार्टी के जुड़े पदाधिकारियों को सक्रिय करने पर जोर दिया। उन्होंने पदाधिकारियों से चुनाव जीतने की बेहतर रणनीति साझा की। पदाधिकारी अपने पूरे सामर्थ्य से परिश्रम करें।

मतदाता सूची पर उन्होंने विशेष रुप से फोकस करते हुए कहा कि भाजपा के मतदाताओं को चिन्हित करते चुनाव के लिए बूथ के पदाधिकारी इन वोटरों का शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करें। इसके लिए सम्पर्क व संवाद की प्रक्रिया लगातार चलाते रहे। सीएम योगी ने कहा कि सभी मोर्चो के सम्मेलन आयोजित किए जाए। सम्मेलनों के माध्यम से पार्टी की विचारधारा के पक्ष में वातावरण का निर्माण किया जाय व कार्यकताओं को सक्रिय किया जाए।

बैठक में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, सूर्य प्रताप शाही, जेपीएस राठौर (राज्यमंत्री, स्वतंत्र प्रभार), मयंकेश्वर शरण सिंह, गिरीश चन्द्र यादव, सतीश शर्मा, व प्रदेश उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह, एमएलसी इंजीनियर अवनीश पटेल, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, एमएलसी हरिओम पाण्डेय सहित कई पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महाकुम्भ के श्रद्धालुओं के लिए उचित व्यवस्था का दिया निर्देश

प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ 2025 को दिव्य और भव्य बनाने के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध है। दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक और एकता के प्रतीक इस मेले में करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इस दौरान अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को ठंड में किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए सीएम योगी ने अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए और समय रहते उचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया। साथ ही सीएम योगी ने अधिकारियों के साथ अयोध्या में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी भी ली।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

एनटीए और नीट परीक्षा को लेकर सुधार की बड़ी घोषणा

राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) में सुधार की दिशा में सार्थक पहल हुई है। अपने गठन से लेकर अभी तक पचाफीड़ सहित कई विवादों में रही एनटीए अब केवल उच्च शिक्षा प्रवेश परीक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री की घोषणा के बाद उम्मीद बनी है कि इससे न केवल परीक्षार्थियों की शिकायतें कम होंगी, बल्कि अनावश्यक विवाद भी नहीं उठेंगे। पहले कई परीक्षा केंद्रों पर तकनीकी खामियां सामने आई थीं। वहीं मेडिकल में दाखिले के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक होने और दूसरी अनियमितताओं के कारण कई परीक्षाएं रद्द कर दी गई थीं। इस पर न केवल सवाल उठे, बल्कि लाखों परीक्षार्थियों का भरोसा भी टूटा था। एनटीए की साख भी धूमिल हुई थी। केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा शुरू करने में देरी पर समय की भरपाई के लिए कृपांक देने के मामले में भी भारी विवाद हुआ था। तब एजंसी को अपना फैसला वापस लेना पड़ा था। तमाम गड़बड़ियों की वजह से ही एजंसी के महानिदेशक को हटाना पड़ा था। इसके बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी के कामकाज में सुधार को लेकर कवायद शुरू हुई। यह अच्छी बात है कि अब एनटीए भर्ती परीक्षाएं आयोजित नहीं करेगी। अगले वर्ष से वह खुद को सिर्फ प्रवेश परीक्षाओं तक सीमित रखेगी। निश्चित रूप से यह एक महत्त्वपूर्ण कदम है। दरअसल, राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी में सुधार के लिए जो उच्च स्तरीय समिति गठित की गई थी, उसने अपनी रपट सरकार को सौंप दी है। इसके बाद ही सरकार ने बड़ा कदम उठाया। अब न केवल राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी के पुनर्गठन के रास्ते खुलेंगे, बल्कि इसकी कार्यशैली भी बदलेगी। इसका लाभ अंततः परीक्षार्थियों को ही मिलेगा। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि नए कदम से एजंसी की परीक्षा व्यवस्था पुख्ता होगी, जिसे लेकर संसद से लेकर सड़क तक सवाल उठते रहे हैं। चूंकि बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है, तो संभव है तकनीकी आधारित परीक्षा आयोजित करने की दिशा में भी बड़े कदम उठाए जाएं। फिलहाल उम्मीद की जा सकती है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी अपने गठन के उद्देश्य को पूरा करने के लिए पारदर्शिता और शुचिता कायम करने के दिशा में कदम बढ़ाएगी।

> एनटीए की साख भी धूमिल हुई थी। केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा शुरू करने में देरी पर समय की भरपाई के लिए कृपांक देने के मामले में भी भारी विवाद हुआ था। तब एजंसी को अपना फैसला वापस लेना पड़ा था। तमाम गड़बड़ियों की वजह से ही एजंसी के महानिदेशक को हटाना पड़ा था।

स्टार्टअप एक डूबती नाव या उगता सूरज?

आज के युग में स्टार्टअप भारत की सबसे बहुमुखी और उच्च आय वाली सेवाओं में से एक है। इसमें हमारे पास विज्ञान से लेकर कपड़ों तक के विभिन्न क्षेत्र हैं, जहां से हम शुरूआत कर सकते हैं। अगर आप अपने आस-पास देखें तो हर जगह बहुत सारे उद्यमी हैं, एक घरेलू महिला के टिफिन बेचने से लेकर एक ड्रोन निर्माण केंद्र खोलने वाली तक महिलाएं हैं। बहुत से लोगों को उनके उद्यमी के रूप में उनके काम के लिए सराहना नहीं मिलती है।

एक चना बेचने वाले और एक डिलीवरी कंपनी चलाने वाले व्यक्ति के बीच एकमात्र अंतर यह है कि चना वाला पंजीकृत नहीं होता है और एक कंपनी पंजीकृत होती है और उसे भारत सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली योजनाओं और धन का सभी लाभ मिलता है। लोगों को सरकारी योजनाओं और लाभों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए जिसकी मदद से आप अपना स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं।

सरकार नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में स्टार्टअप के महत्व को पहचानती है। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों ने स्टार्टअप को वित्तीय, अवसंरचनात्मक और विनियामक सहायता प्रदान करने के लिए योजनाएं शुरू की हैं। सूचीबद्ध योजनाओं में प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, कृषि, स्वास्थ्य सेवा और अन्य क्षेत्रों को शामिल किया गया है। केंद्र सरकार ने स्टार्टअप इंडिया पोर्टल उपलब्ध कराया है। यह अनुभाग भारतीय स्टार्टअप को समर्थन और बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई सभी योजनाओं की सूची प्रदान करता है। प्रत्येक योजना का विवरण, उद्देश्य, पात्रता मानदंड, आवेदन प्रक्रिया और लाभ सहित, प्रदान किया गया है। अपने स्टार्टअप को सफलता की ओर ले जाने और भारत में जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम में योगदान देने के लिए इन योजनाओं का लाभ आप ले सकते हैं भारत सरकार के पास स्टार्टअप्स को समर्थन देने के लिए कई योजनाएं हैं, जिनमें शामिल हैं स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (SISFS), स्टार्टअप्स के लिए क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएसएस), डीपीआईआईटी मान्यता, नवाचारों के विकास और दोहन के लिए राष्ट्रीय पहल (NIDHI), टाइड 2। सवाल यह है कि क्या भारत स्टार्टअप के लिए सही जगह है? भारत को वर्तमान में स्टार्टअप शुरू करने के लिए दुनिया के सर्वोत्तम स्थानों में से एक माना जाता है, जो स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के आकार और यूनिकॉर्न की संख्या के मामले में विश्व स्तर पर शीर्ष स्थान पर है, जो इसे अपने बड़े बाजार, बढ़ते तकनीकी प्रतिभा पूल और सहायक सरकारी पहलों के कारण उद्यमियों के लिए एक बहुत ही आकर्षक विकल्प बनाता है। भारत वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें फिनटेक, ई-कॉमर्स और एडटेक जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में यूनिकॉर्न हैं। पिछले 10 वर्षों में स्टार्टअप पर जो काम हुआ है वह अविश्वसनीय है, इसका श्रेय भारत सरकार की पहल स्टार्टअप इंडिया योजना को जाता है। सोनी टीवी पर आम आदमी पार्टी की जारी की गई शार्क टैंक ने भारत के ड्राई मार्केट को उछाल दिया है। ऐसा नहीं है कि इस दशक से पहले भारत व्यवसाय नहीं कर रहा था, लेकिन आज के समय में यह एक ऐसे उच्च स्तर पर पहुंच गया है जो भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण था। आज 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 31 के पास समर्पित स्टार्टअप नीति है। इनमें से 27 स्टार्टअप नीतियां 2016 में स्टार्टअप इंडिया पहल के शुभारंभ के बाद विकसित की गई।

36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से प्रत्येक में कम से कम एक डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप मौजूद है। 653 जिलों में कम से कम एक डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप मौजूद है। केवल बाजार में वृद्धि करना अच्छा नहीं है, हमें जो करने की आवश्यकता है वह है बाजार के मापदंडों को नियंत्रित करना और बनाना, क्योंकि संतुलित विकास को मापे बिना केवल तेजी से बढ़ना ही गिरावट का संकेत है। हालांकि, कम समय में बहुत ज्यादा वृद्धि वास्तव में खतरनाक हो सकती है। अगर कोई व्यवसाय बिना पर्याप्त उपकरण और संसाधनों के विस्तार करना जारी रखता है, तो वह लंबे समय तक खुद को बनाए रखने में सक्षम नहीं होगा।सबसे महत्वपूर्ण सतर्कता जिसके बारे में आपको पता होना चाहिए वह है पेटेंट, यह आपकी कंपनी की पहचान के लिए पहला कदम है, क्योंकि यदि आप अपने नाम और उत्पाद, विषय आदि का पेटेंट नहीं कराते हैं तो आप अपनी ताकत और अपने स्टार्टअप की विशिष्टता खो देंगे।आपके स्टार्टअप शुरू होने से पहले आपको कई टिप्स की आवश्यकता होती है जैसे कर में राहत के लिए मान्यता और कर छूट प्रमाण पत्र, जीईएम स्टेटअप रनवे जहां आपको सरकारी खरीदारों के बारे में पता चलता है, सरकार कानूनी सहायता और फास्ट ट्रैकिंग ट्रेडमार्क भी प्रदान करती है।

> केंद्र सरकार ने स्टार्टअप इंडिया पोर्टल उपलब्ध कराया है। यह अनुभाग भारतीय स्टार्टअप को समर्थन और बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई सभी योजनाओं की सूची प्रदान करता है। प्रत्येक योजना का विवरण, उद्देश्य, पात्रता मानदंड, आवेदन प्रक्रिया और लाभ सहित, प्रदान किया गया है।

अलग माहौल में दिल्ली के चुनाव, सभी पार्टी के सामने अलग-अलग चुनौती

दिल्ली विधानसभा के लिए चुनावों का औपचारिक एलान होना भले ही शेष हो, लेकिन सर्दियों के मौसम में चढ़े सियासी पारे से चुनावी तपिश की अनुभूति होने लगी है। सत्तापक्ष की ओर से खुद अरविंद केजरीवाल ने कमान संभाल रखी है, जबकि विपक्षी भाजपा 27 साल से जारी सत्ता के सूखे को खत्म करके उम्मीदों की हरियाली लाने के लिए प्राणपण से जुटी हुई है। कांग्रेस भी राज्य में अपने अस्तित्व को साबित करने की कोशिश कर रही है। सबसे ज्यादा ध्यान अरविंद केजरीवाल की रणनीति पर है। आदर्शवादी सपने को हकीकत बनाने के वादे के साथ राजनीति में आए केजरीवाल दिल्ली की राजनीति में अब तक अजेय बने हुए हैं। इसके साथ ही पंजाब की सत्ता पर भी उनकी पार्टी काबिज है। जम्मू-कश्मीर से लेकर गोवा विधानसभा तक उनकी नुमाइंदगी तो है ही, प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के गढ़ गुजरात में भी उनकी उपस्थिति है। इसीलिए दिल्ली की राजनीति में उनकी स्थिति पर सभी की नजर है।

दिल्ली विधानसभा का 2013 का चुनाव आदर्शवादी सपनों को चुनने या नकारने का था। उसमें केजरीवाल को बहुमत भले ही नहीं मिला हो, लेकिन दिल्ली की जनता ने आप को दूसरे नंबर की पार्टी का दर्जा देकर संदेश दे दिया कि केजरीवाल में उसका भरोसा है। 2015 का चुनाव सही मायने में आदर्शवादी सपनों को हकीकत का जामा पहनाने का चुनाव था। दिल्ली की 70 में से 67 सीटों पर आम आदमी पार्टी की भारी जीत ने केजरीवाल के सामने जनाकांक्षाओं का बोझ लाद दिया। 2020 के विधानसभा चुनाव पर भी आदर्शवाद को हकीकत बनाने की ही मंशा हावी रही। इस चुनाव में केजरीवाल जनता को यह समझाने में सफल रहे कि उन्होंने राजनीति को साफ करने और स्वच्छ प्रशासन देने का जो सपना दिखाया है, उसे पूरा करने के लिए और वक्त चाहिए। दिल्ली की जनता ने उन्हें एक बार फिर पांच साल का वक्त दिया। आदर्शवादी धारणा को जमीनी हकीकत बनाने में केजरीवाल कितने कामयाब हुए, इसका जवाब दिल्ली के मतदाताओं के पास है, लेकिन केजरीवाल ने अपने शासनकाल में रेवड़ी संस्कृति को नए रूप में पेश किया। अपने वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए उन्होंने फ्री बिजली, पानी, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की सुविधा देने में कंजूसी नहीं बरती। इसके साथ ही केजरीवाल सरकार ने कभी ट्रैफिक कंट्रोल तो कभी किसी अन्य बहाने से तात्कालिक और अल्पकालिक रोजगार के मौके मुहैया कराए। इसमें ज्यादातर केजरीवाल की पार्टी कार्यकताओं को तवज्जो मिली। सरकारी महकमों में भी यह रुझान दिखा। इन कदमों के माध्यम से केजरीवाल ने अपने पक्ष में खड़े रहने वाले वोटरों का ऐसा कोलाज तैयार किया, जिसके जरिये सत्ता को संभव बनाए रखा जा सके। हालांकि तीसरे कार्यकाल में केजरीवाल की आदर्शवादी छवि बुरी तरह से दरकती गई। शीशमहल कांड हो या शराब नीति घोटाला या फिर मुख्यमंत्री आवास में पार्टी की ही सांसद स्वाति मालीवाल से मुख्यमंत्री के निजी सचिव द्वारा की गई मारपीट, इन मुद्दों ने पार्टी को गलत कारणों से सुर्खियों में रखा। इससे राजनीति को बदलने वाले की छवि भी पारंपरिक नेता वाली बन गई, जिसे सत्ता के लिए कुछ भी करने से गुरेज नहीं। मंत्री सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया ही नहीं, खुद केजरीवाल भी कुछ दिन जेल में रहे। इन घटनाओं से यही संदेश निकला कि केजरीवाल और उनकी राजनीति भी अलग नहीं है। रेवड़ी कल्चर और अपने वोट बैंक को साधने की तमाम जुगत के बावजूद केजरीवाल के लिए आगामी चुनाव आसान नहीं। शायद उन्हें इसका आभास भी हो गया है। इस प्रतिकूल हवा को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए केजरीवाल ने कमान संभाल ली है। मनीष सिसोदिया जैसे दिग्गज नेता के लिए पार्टी ने सीट बदलना ठीक समझा। एंटी इनकंबेंसी और विवादों से बदली अवधारणा के बीच केजरीवाल टिकट वितरण के मामले में भाजपा की राह पर चले। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं रामनिवास गोयल से लेकर दिलीप पांडेय ने चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया, जबकि दूसरे दलों से आ रहे नेताओं को तत्काल टिकट थमाया गया।

दिल्ली में करीब 42 प्रतिशत वोटर पूर्वांचली हैं, जबकि करीब आठ से दस प्रतिशत उत्तराखंड के हैं। आप के विजयी अभियान में पूर्वांचली मतदाताओं की अहम भूमिका रही है। पिछली बार आप ने 16 पूर्वांचली नेताओं को टिकट दिए थे। वहीं भाजपा की राजनीति अब भी अपनी पुरानी रणनीति यानी पंजाबी, बनिया और दिल्ली देहात के इर्द-गिर्द घूम रही है। केजरीवाल जहां भाजपा की ही तरह पंजाबी, बनिया और दिल्ली देहात पर फोकस कर रहे हैं तो दूसरी तरफ उनकी निगाह पूर्वांचली और उत्तराखंड के लोगों पर भी है।

उन्होंने पूर्वांचली मूल के गोपाल राय को दिल्ली का संयोजक बना रखा है। साथ ही वे पारंपरिक राजनीति की तरह कमजोर सीटों के मामले में बाहरी नेताओं पर भरोसा कर रहे हैं। एंटी-इनकंबेंसी यानी सत्ता विरोधी रुझान की काट के लिए केजरीवाल अपने कोर वोटरों यानी झुग्गी-झोपड़ियों और अनधिकृत कालोनियों में चुनाव घोषणा पत्र को लेकर चर्चा कर रहे हैं। भाजपा की चुनाव अभियान समिति के नेता रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटियों से मिल रहे हैं। झुग्गियों और अनधिकृत कालोनियों में जाकर केजरीवाल एक तरह से भाजपा की काट कर रहे हैं। वह यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि आप को ही दिल्ली के आम और गरीब वोटरों की चिंता है। भाजपा जहां शीशमहल और शराब नीति को लेकर आप पर आक्रामक है, वहीं आप कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा को घेर रही है। साफ है कि इस बार दिल्ली में अलग राजनीतिक माहौल में चुनाव होंगे। यह चुनाव नतीजे ही बताएंगे कि इस बदले माहौल में किस पार्टी के हाथ कितनी सफलता लगेगी।

बहुत याद आयेंगे दिग्गज पत्रकार कुलदीप तलवार

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त देश के दिग्गज पत्रकारों में शुमार गाजियाबाद निवासी कुलदीप तलवार (90 वर्ष) का गत 6 दिसंबर को निधन हो गया। मंगलवार को चौधरी भवन में शोक सभा में सभी वक्ताओं ने उनके अपने प्रति स्नेह और आत्मीय व्यवहार का जिक्र किया। वह ऐसी ही शख्सियत थे। हर परिचित को फोन कर वह कुशल क्षेम पूछते रहते थे। पत्रकारों को भी उनकी खबर पर उनकी प्रतिक्रिया तत्काल होती थी। यही कारण था उनके परिचितों का दायरा बहुत बड़ा था और सभी उन्हें अपना करीबी समझते थे। मुझसे वह 40 वर्ष पूर्व मेरे पिता वरिष्ठ पत्रकार श्याम सुंदर वैद्य ,जो 'तड़क वैद्य' के नाम से प्रसिद्ध थे (1911-1984) उनके निधन के दिन मिले थे। उन्होंने मुझसे कहा कि बेटा वैद्य जी नहीं रहे लेकिन वह मेरे अभिन्न मित्र थे। तुम कोई चिंता नहीं करना। मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं।

उन्होंने अपने कहे को निभाया भी। कभी भी फोन कर कुशल क्षेम पूछते रहते थे। मैं भी जब समय मिलता उनके पास जाता रहता था। जब वर्ष 2012 में मेरे रीढ़ की हड्डी की दो स्लिप डेमेज हो गयी थी और और मेरा पूरा शरीर सुन्न हो गया था जिसका बाद में आपरेशन हुआ था। वह बडे चिंतित रहे थे। मेरे संस्मरणों पर वह मेरा बहुत उत्साह बढ़ाते थे। जब लगभग 6 वर्ष पूर्व मुंबई फिल्म नगरी में सक्रिय गाजियाबाद के लोगों की जानकारी के मेरे लेख साथी पत्रकारों के अखबारों में प्रकाशित हुए तो उन्होंने मुझे ऐसी जानकारी दी जो किसी ने ख्वाब में भी नहीं सोची था। उन्होंने बताया कि मुंबई फिल्म नगरी के पहले महानायक के.एल. सहगल जो अभिनेता और गायक थे,1940 के दशक में गाजियाबाद के निवासी थे। वह यहां रेलवे में नौकरी करते थे और भूड भारत नगर में रहते थे। गाजियाबाद में उन्होंने संगीत सिखाने का केंद्र भी खोला था।तब फिल्म नगरी कलकत्ता थी, यहीं से

वह कलकत्ता गये थे और वहां से मुंबई। उन्होंने ही जानकारी दी कि ऋषि कपूर और डिंपल की फिल्म ₹बॉबी₹ के गानों से पूरे देश में तहलका मचाने वाले गायक शैलेन्द्र सिंह भी गाजियाबाद के बेटे हैं। वह स्थानीय शम्भू दयाल इंटर कालेज के तत्कालीन प्रिंसिपल मल्होत्रा जी की बेटी के पुत्र हैं। उन्होंने बताया कि माडल टाउन (एम एम एच कालेज रोड) पर पंजाब एक्सपैलर के मालिक हरीश चन्द्र शर्मा जी की कोठी थी (वह भी मेरे पिता जी के मित्र थे), उनकी कोठी के पास एक नरूला परिवार रहता था। जिनका बेटा जोगेन्दर सिंह बहुत हैंडसम था। उसके घर के सामने शम्भू दयाल इंटर कालेज के तत्कालीन प्रिंसिपल मल्होत्रा जी का परिवार रहता था। जोगेन्दर और सक्सेना जी की बेटी की लव-मैरिज हुई थी। जोगेन्दर मुंबई चला गया और वहां वह प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता वी शांताराम का असिस्टेंट बन गया।उनकी सभी फिल्मों में वह सह नायक रहता था। उसी का बेटा शैलेन्द्र सिंह है।

उल्लेखनीय है कुलदीप तलवार के चाचा विभाजन के पहले से ही मुंबई फिल्म नगरी में सक्रिय थे। फिल्म नीलमपरी में उन्होंने दिग्गज अभिनेत्री गीता बाली के पिता का रोल किया था। फिल्म खुश्बू में अभिनेत्री श्यामा के पिता का रोल किया था। उनके छोटे भाई शक्तिमान तलवार भी बडे फिल्म लेखक हैं।उनकी लिखी सनी देओल की फिल्म ₹गदर -एक प्रेम कथा₹ और ₹गदर-2₹ देश में तहलका मचा चुकी हैं। शक्तिमान का बेटा भी स्टेंड अप कामेडियन है और उसके शो विदेशों में धूम मचा रहे हैं।

कुलदीप तलवार का परिवार 1947 में विभाजन के बाद गाजियाबाद आया था। वह भारत सरकार के भारतीय खाद्य निगम के महाप्रबंधक पद से सेवानिवृत्त थे। देश के तमाम बड़े अखबारों में उनके साक्षात्कार और लेख छपते रहे हैं। विदेशी मामलों विशेष तौर पर पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बंगला देश और पाक अधिकृत कश्मीर की राजनीति पर उनके विचारपूर्ण लेख तमाम अखबारों में छपते रहे हैं। उनकी पैदाइश पाकिस्तान के खुशआब की है। उन्होंने बताया कि मां हिन्दी का कायदा पढी थी। इसलिए हिन्दी और उर्दू दोनों का ज्ञान था। वहीं काम आया। उन्होंने बताया कि अभिनेता अमरीष पुरी ने शक्तिमान से कहा था कि तुम्हारी उम्र तो ज्यादा नहीं है फिर फिल्म के इतने बेहतरीन डायलॉग कैसे लिख लेते हो। तब शक्तिमान ने उन्हें बताया कि इसमें मैं अपने बड़े भाई की मदद लेता हूं। उन्होंने उनसे मिलने की इच्छा जताई तो एक फिल्मी शादी में आमरीष पुरी बड़ी आत्मीयता से उनसे मिले थे।

उल्लेखनीय है कुलदीप तलवार लगभग दो दशक से भी अधिक समय तक हिंदूस्तान टाइम्स समूह की प्रसिद्ध पत्रिका कादम्बिनी के लिए उर्दू शायरी के स्तंभ इनके भी बयां जुदा जुदा लिखते रहे हैं। वह धर्मयुग,सा. हिन्दुस्तान, ब्लिट्ज, दैनिक हिन्दुस्तान, दैनिक नवभारत टाइम्स, दैनिक ट्रिब्यून, नवनीत, कादम्बिनी, रंग चकल्लस,संडेमेल आदि में हास्य व्यंग बराबर लिखते रहे हैं। बच्चों के लिए उन्होंने कहानियां भी लिखी हैं । उनके द्वारा लिखित पुस्तक 'हंसी हंसी में' भारत सरकार के प्रकाशन विभाग ने प्रकाशित की थी। जिसके छह संस्करण प्रकाशित हो चुके हैं। बच्चों के लिए लिखी उनकी पुस्तक ₹नाना - नानी की कहानियां₹ हिन्द पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित की गई थी। उनकी पुस्तक 'पेंगुइन' व हास्य-व्यंग संग्रह ₹गुस्ताखी माफ₹ भी काफी सराही गई। उनकी गत वर्ष प्रकाशित पुस्तक ₹गुदगुदाती हंसाती कलमकारों की छोटी -छोटी बातें₹ देश के विख्यात शायरों व कवियों के द्वारा मंचों पर आपसी छेड़छाड़ की रोचक व मनोरंजक स्मृतियों का पिटारा है। उनकी यह पुस्तक विख्यात व्यंग्यकार पद्मश्री के पी सक्सेना को समर्पित है। पुस्तक के प्रारंभ में उन्होंने कहा है कि उनकी गुदगुदाती स्मृतियों और कलमतराशी ने इस नाचीज को भी अपने रंग में रंग दिया।

उनकी इस पुस्तक पर डॉ. प्रेम जनमेजय कहा है कि साहित्य की एक वो दुनिया है जो किताबों, पत्रिकाओं,अखबारों आदि के माध्यम से साहित्यिक अभिरुचि के पाठकों तक पहुंचती है। साहित्य की एक वो भी दुनिया है जहां साहित्य की महफि ल जमी होती है और उस महफि ल में रचनाकार बातों - बातों में कुछ उल्लेखनीय, मजेदार या गहरी बात कह देते हैं।इस अनोपचारिक दुनिया में कहे को पकड़े नहीं तो बहुत कुछ कहा अनकहा रह जाता है। बातें बहुत होती हैं लेकिन अधिकांश बातें आई-गई हो जाती है। यदि वहां कुलदीप तलवार जैसा शख्स हो, जो उड़ते शब्दों को पकड़ने में माहिर हो , तो सारे मौखिक शब्द अक्षरों में बदल जाते हैं। कुलदीप तलवार की इस प्रतिभा को धर्मवीर भारती,कमलेश्वर आदि सम्पादकों ने पहचाना और अपनी महत्वपूर्ण पत्रिकाओं में उर्दू -हिन्दी के लेखकों से जुड़े मजेदार और गम्भीर छोटे -मोटे किस्सों को बडा करके छापा। कुलदीप तलवार अस्वस्थता के बावजूद इस आयु में भी लिखने और पढ़ने में रहते थे। अभी वह स्थानीय कवियों और शायरों पर पुस्तक लिख रहे थे। उसको शीघ्र प्रकाशित कराना चाहते थे। लेकिन ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था। कीर्तिशेष श्रद्धेय कुलदीप तलवार जी को नमन है।

सुशील कुमार शर्मा, स्वतंत्र पत्रकार

अक्षरबोधि न होने पर भी पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी ने किया, भगवान राम के दिव्य जीवन का साक्षात वर्णन

भगवान राम की दिव्यता में माता कौशल्या का तप

27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर- सलेमाबाद में, एक विशेष बालक का जन्म हुआ जो बचपन से ही जब भी यह बालक सीधा, श्वासन की मुद्रा में लेट जाता या लिटा दिया जाता, तो उसकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में अक्षर बोध भी न करने वाला ग्रामीण बालक, उसके मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा, बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ। कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया, और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं क्रमिक रूप से माता कौशल्या का दिव्य और तपस्वी जीवन)

....तो राजा दशरथ वहां शान्त मुद्रा में बैठकर चचाओं को सुनने लगे । कुछ अंतराल बाद महर्षि वशिष्ठ ने महाराजा दशरथ को देखकर कहा-हे राजन ! तुम्हारा आगमन इस स्थली पर कैसे हुआ है? उन्होने कहा-प्रभु ! मै इस समय बड़ा आपातकाल में हूँ। वशिष्ठ बोले कि-क्या आपात काल है? उन्होंने कहा किमाता अरून्धती और आप दोनों को मै चाहता हूँ कि राष्ट्र-गृह में जा करके कौशल्या जी को शिक्षा दो,क्योंकि कौशल्या जी राष्ट्र का अन्न ग्रहण नही कर रही है, वे क्षुधा से पीडित रहती है अथवा नही, इसको मै नही जान पाया। उन्होने स्वीकार किया और अपनी क्रियाओ से निवृत्त हो करके माता अरुन्धती और महर्षि वशिष्ठ,राजा के वाहन में विद्यमान हो करके राष्ट्र गृह अयोध्या में आ पंहुचे।

महर्षि वशिष्ठ और माता अरून्धती का कौशल्या जी से आग्रह

ब्रह्मवेता का राष्ट्रगृह में आना और भी सौभाग्य था। वे कौशल्या जी के समीप पंहुचे। माता कौशल्या जी ने उन्हें तीन आसन प्रदान किये-एक राजा को,एक माता को और एक महर्षि वशिष्ठ जी को। जब वे आसन पर विद्यमान हो गये,तो उन्होंने बारी-बारी चरणों को स्पर्श किया और कहा कि-भगवन ! आज कैसे मेरा सौभाग्य जागरूक हो गया है,मैं कितनी सौभाग्यशालिनी हूँ ! हे भगवन ! आप उदगीत गाईये, कैसे आगमन हुआ है, बिना सूचना के, बिना कोई कारण के,महर्षि वशिष्ठ मुनि बोले कि-हे दिव्या ! हे पुत्री ! हम तुमसे कुछ प्रश्न करना चाहते है। कौशल्या जी ने कहा-भगवन-जो मझे आज्ञा दोगे, उसको में सादर धारण करूंगी। उन्होंने कहा -हे दिव्या ! हमने यह श्रवण किया है कि तुम राष्ट्र का अन्न ग्रहण नही कर रही हो? उन्होंने कहा-प्रभु ! मै राष्ट्र अन्न ग्रहण नही कर पा रही हूँ। उन्होंने कहा झक्यों नहीं ग्रहण कर पा रही हो ?

उन्होंने कहा-इसलिये कि मैं अपने गर्भस्थल से ऐसे

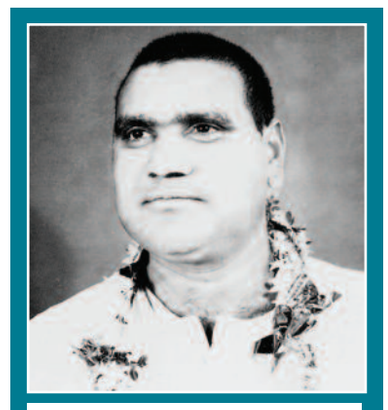

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

महापुरूष सन्तान को जन्म देना चाहती हूँ,जिससे वह त्याग और तपस्या में अपने जीवन को व्यतीत करें,मेरी यह कामना है,उसी कामना में,मै सदैव तत्पर रहती हूं। जब उन्होंने ऐसा कहा तो महर्षि वशिष्ठ बोले -हे पुत्री ! हमारी इच्छा यह कि तुम राष्ट्र का अन्न ग्रहण करो। उन्होने कहा-प्रभु ! मै राष्ट्र के अन्न को ग्रहण नही करूंगी,यह मेरा संकल्प हो गया है और यह जो परमात्मा का जगत है यह संकल्पो में ही निहित रहता है। यदि परमात्मा को यह संकल्प है जब परमात्मा ने तप किया था,तो यह ब्रह्माण्ड नाना प्रकार के लोक लोकान्तरों में परिणित हो गया। हे प्रभु ! यह प्रभु का संकल्प है जितनी आयु उन्हें प्रदान की है,वे उतनी आयु में रहेंगे,उतने समय तक उनका पिण्ड बना रहेगा। चाहे प्राण सत्ता चली जाये, प्राण छिन्न-भिन्न हो जाये, प्रभु संकल्पोमयी यह संसार है और मै भी अपने संकल्प को नष्ट करूंगी।

ऋषि ने जब यह श्रवण किया तो वे निरूत्तर हो गये, माता अरुन्धती ने कहा-हे दिव्या ! हे पुत्री ! हमारी इच्छा ऐसी है कि राष्ट्र का अन्न ग्रहण करो,क्योंकि राष्ट्र का अन्न ग्रहण करना तुम्हारे लिए बहुत अनिवार्य है। उन्होंने कहा-मातेश्वरी ! क्यों अनिवार्य है? उन्होंने कहा-तुम राष्ट्र का अन्न इसलिए ग्रहण करो,क्योंकि तुम्हें राजकुमार को जन्म देना । उन्होंने कहा कि माता की यह इच्छा नही है,जो इस प्रकार की संतान को जन्म दे। मेरी यह कामना हैं मेरी इच्छा है कि मै त्याग और तपस्या से पुत्र को जन्म देना चाहती हूं। हे मातेश्वरी ! राष्ट्रीय अन्न से यदि यह विकृत हो जायेगा,तो यह छिन्न-भिन्न हो जायेगा। संकल्पो में ही समाप्त हो जायेगा। इस पर माता अरून्धती मौन हो गयी। पुनः वशिष्ठ बोले कि-हे पुत्री ! राष्ट्रीय अन्न में कोई दोषारोपण नही होता,तो उन्होंने कहा-मै स्वयं कला-कौशल कर लेती हूँ, और उसके बदले जो अन्न आता हैं उससे अपने उदर की पूर्ति कर लेती हूँ, हे प्रभु ! आप तो जानते है,क्योंकि आप ब्रह्मवेत्ता हो और ब्रह्मवेत्ताओं की बुद्धि बड़ी प्रखर होती है और बड़ी ऊंची उड़ान उड़ती रहती है। इस उड़ान के साथ यह स्वीकार करना तुम्हारे लिए अनिवार्य हो जायेगा,कि प्रत्येक मानव एक संकल्प है। राजा भी एक संकल्प मात्र है,प्रजा संकल्प मात्र है, इसी प्रकार माता भी संकल्प मात्र है प्रवचन सन्दर्भ 14-04-1989)

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

प्रवासी भारतीय

मानवीय संबंधों की अनूठी मिसाल - डॉ० शिप्रा शिल्पी

नटखट और चुलबुली अदा, आँखों में शरारत और मस्ती की चमक, चेहरे पर मासूमियत की झलक, होंठों पर निश्छल खिलखिलाहट, अपनी प्यार भरी बातों से सबका दिल जीतने की कला, रिश्तों की बगिया को नेह के जल से सींचती और ज़िंदगी के हर पल को जिंदादिली से जीने का अनोखा अंदाज दिल में लिए साहित्य साधना में रत एक ऐसी कवयित्री, जो शब्दों की शिल्पकारी से गीत, कविता, गजल, मुक्तक का सृजन कर सबके दिलों में एक विशिष्ट स्थान बना चुकी है, वह है हम सबकी चहेती लाड़ली, दुलारी डॉ. शिप्रा शिल्पी सक्सेना जी..!!!

संगीता चौबे 'पंखुड़ी'
कवयित्री, लेखिका, कुवैत इकाई

साहित्यिक मंचों पर शिप्रा जी का काव्य कौशल जितना मनभावन है उससे भी अधिक चित्ताकर्षक इनका मंच संचालन है, लखनऊ दूरदर्शन और आकाशवाणी से कई वर्षों तक जुड़ी शिप्रा जी की विलक्षण बहुमुखी प्रतिभा से प्रभावित होकर, जब मैंने इन्हें अपने पटल अंजुमन ए पंखुड़ी अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक मंच पर आमंत्रित किया, तो मेरे आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा, जब शिप्रा जी ने सहमति के साथ एक बड़ा स्नेह सिक्त संदेश दिया और 20 मिनिट बाद ही फोन से हम जुड़ गए, यूं लगा जैसे अपनी बालसखी से वर्षों बाद मिली हूं। इतनी आत्मीयता और माधुर्यता लिए हुए शिप्रा जी ने रिश्तों की डोरी से मेरे मन को बांध लिया जो अब आजीवन बंधा रहेगा।

शिप्रा जी अपने नाम के अनुरूप एक अल्हड़ नदी की तरह मस्ती में बहती हुई अपना जीवन जीती हैं, बिना किसी बाधा की परवाह किए अपने लक्ष्य की ओर सतत बढ़ती जाती हैं और इस जिंदगी के सफर में जिसे भी वो स्पर्श करती हैं, एक ताजगी से भर देती हैं। और जब रिश्तों की बात की जाए, तो हर रिश्ते को बखूबी निभाना जानती हैं शिप्रा जी, क्योंकि उसे ये दिल से निभाती हैं। कहने को हर बात खरी कहती हैं, जैसी ये अंदर हैं, वैसी ही बाहर हैं... कोई दुराव नहीं, कोई छुपाव नहीं... कांच की तरह पारदर्शी..!!! कितनी ही व्यस्त हों, पर सबकी समस्याओं का समाधान करने, सहयोग करने, सलाह देने में सबसे आगे रहती हैं हमेशा हमारी प्यारी शिप्रा जी..!!!

भले ही अपने देश से हजारों मील दूर शिप्रा जी जर्मनी के कोलोन शहर में निवास कर रही हैं, लेकिन अपने देश की माटी की खुशबू तन मन में बसाए भारतीय संस्कृति, भाषा, साहित्य और कला की पताका पूरे विश्व में फहरा रही हैं।

जन्म उत्तर प्रदेश के एक छोटे से जिले बहराइच के अत्यंत शिक्षित एवं सभ्रांत परिवार में जन्मी शिप्रा जी के जीवन में उनके पिता माता, परिवार एवं पति रवि सक्सेना एवं बेटे लव सक्सेना का सर्वाधिक प्रभाव है।

पिता एवं माता द्वारा दी गई शिक्षा जीवन बिताया नहीं, जिया जाता है, का अनुसरण करते हुए वे आपसी संबंधों एवं पारिवारिक मूल्यों को अत्याधिक महत्व देती है।

शिक्षा के क्षेत्र में अनेक डिग्री एवं डिप्लोमा अर्जित कर

डॉ० शिप्रा शिल्पी

शिप्रा जी वर्तमान में International friedenshule, Köln में मीडिया इंस्ट्रक्टर के पद पर कार्य कर रही है।

शिप्रा जी Indo-German संस्कृति, सभ्यता, भाषा एवं साहित्य को समर्पित अव्यवसायिक चैनल सृजनी ग्लोबल- की संस्थापिका एवं वैश्विक भाषा, कला एवं संस्कृति संगठन (GLAC) की संस्थापिका सदस्य होने के साथ साथ, भारतीय कौंसलवास, न्यूयॉर्क की आधिकारिक हिन्दी पत्रिका 'अनन्य - जर्मनी', बहुभाषीय और बहुराष्ट्रीय पत्रिका 'प्रज्ञान - विश्वम', साहित्य समाचार पोर्टल', यूरोप की संपादक एवं तथा 'विश्वरंग' जर्मनी की सांस्कृतिक निदेशक है।

शिप्रा जी विगत 6 वर्षों से अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति ABS 4 की एवम सामाजिक कार्य की संस्था 'विडर्सडोर्फ हिल्फे सोसाइटी' e.V. विडर्सडोर्फ, कोलोन की सक्रिय सदस्य है।

अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित शिप्रा जी रिश्तों को दिल से निभाने का हुनर रखती हैं जो इनकी एक खास खूबी है, तभी तो ये लिखती हैं --------

न कोई कीमती सामान ना सिंगार रखती हूँ।
मधुर मुस्कान चेहरे पर अलग किरदार रखती हूँ।
निखर जाती है' मेरी शख्सियत इस बात से खुद ही।
जुबाँ मीठी सभी के प्रति ह्रदय में प्यार रखती हूँ।

शिप्रा जी सबके दिलों में प्रेम की कोंपल उगाने और सद्भावना के बीज रोपने का अनुपम कार्य करती हैं। ऐसी कोमल भावनाएं इनके द्वारा रचित पंक्तियों में पढ़ने को मिलती हैं तो ह्रदय में इनके लिए प्यार और भी बढ़ जाता है ------

हो दिलो के पंथ पर प्रीत की अराधना
हो दिलो में प्रीत की भावना ही भावना
कर सको तो प्रेम-कर थामकर आगे बढ़ो
हार हो या जीत बस शेष हो सद्भावना..।

भले ही शिप्रा जी आज विदेशी धरा पर अपने परिवार के साथ रह रही हैं, लेकिन इनके रोम रोम में देश भक्ति का जज्बा कूट कूट कर भरा है, अपने देश भारत में जन्म लेने का नाज कितने गर्व से करती हैं -------

सदा ही देश को हम ऐसे प्यार करते हैं
विदेशी रंग में तिरंगे का रंग भरते हैं
हमारी भाषा पे संस्कृति पे गर्व है हमको
हमेशा देश की खातिर ही जीते-मरते हैं
हमें तो मान है जन्मे है देश भारत में

अपनी सभी पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाते हुए कवयित्री शिप्रा जी हिन्दी के परचम को विदेश की सरजमीं पर भी फहरा रही हैं, इसकी जितनी सराहना की जाए कम है। बहु राष्ट्रीय बहुभाषी पत्रिका प्रज्ञान विश्वम पत्रिका, जिसके प्रधान संपादक हम सभी के प्रेरणा स्त्रोत और मैक्स मुलर अवार्ड से अलंकृत प्रथम भारतीय प्रज्ञान पुरुष परम आदरणीय पंडित सुरेश नीरव सर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं और मेरे आलेख को इस पत्रिका में स्थान देने हेतु हार्दिक आभार प्रेषित करती हूं।

प्यारी शिप्रा जी, जो स्वयं इस पत्रिका की सम्पादक हैं और अथक साहित्य साधना में लीन हैं, को भी इस विशिष्ट अंक के प्रकाशन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। आपका साहित्यिक और पारिवारिक जीवन हमेशा आनंद से भरपूर रहे और आपके सुनहरे भविष्य के लिए हार्दिके शुभकामनाएं देती हूं।

आपकी कलम और वाणी दोनों पर माँ शारदे की असीम अनुकम्पा यूं ही बनी रहे।

आपको ढेर सारा प्यार दुलार ..!!!

हास्य-व्यंग्य

ईनामदार लोग

जब हम लोग बंदर से ताजा-ताजा विकासशील सभ्य मानव हो रहे थे तो उस दौर में हमारे समाज में ईमानदार लोगों की बड़ी कदर हुआ करती थी। हर आदमी ईमानदार होने को आमादा भ्रष्टतंत्र बैठा रहता था। मौका मिला नहीं कि आदमी झट से कोई-न-कोई ऐसी वारदात कर डालता था कि उसकी ईमानदारी का कारनामा सुर्खियों में छा जाता था। मगर जैसे ही यह आदमी विकसित सभ्य हुआ उसे लगने लगा कि यह ईमानदारी का जो व्यसन है यह बड़ा जानलेवा कुटैव है।

पंडित सुरेश नीरव

इसके लपेटे में जो एक बार आ गया वह मरतांत मर जाए मगर यह रोग पीछा नहीं छोड़ता है। तो फिर आदमी ने दिन-रात कड़ी मेहनत करके एक ऐसा टीका खोज लिया जिसके लगवाने के बाद वह इस जनम में तो क्या अगले जनम में भी इस रोग के लपेटे में नहीं आएगा। यह जीवन रक्षक टीका है बेईमानी का। ईमानदारी के रोग से छुटकारा पाने का अचूक नुस्खा। जैसे चेचक का टीका लग जाए तो फिर आदमी को कभी चेचक नहीं होती है वैसे ही बेईमानी का टीका लग जाने के बाद आदमी को धोखे से भी कभी ईमानदारी की बीमारी नहीं लगती और आदमी तुष्ट-पुष्ट और संतुष्ट होकर सपरिवार सुखमय जीवन जी लेता है। मगर यह टीका लग जाने के बाद प्रश्न यह

खड़ा हो गया कि समाज में आदमी के इज्जतदार बनने का अब पैमाना क्या हो? ईमानदार आदमी तो प्रलुप्त प्रजाति का जीव हो गया। और फिर तभी आदमी ने तुरंत एक नई प्रजाति विकसित कर ली। ईनामदार लोगों की प्रजाति। और फिर इसतरह लोग देखते-ही-देखते ईमानदार नहीं ईनामदार होने लगे। हड़प्पा की सभ्यता तो पहले ही जमीदोज हो चुकी थी इसलिए आधुनिक आदमी ने हड़प संस्कृति का विकास कर लिया। ईनाम-हड़प्पा लोगों की समाज में इस तरह की एक नई प्रजाति विकसित हो गई। अब समाज में ईमानदार नहीं ईनामदार लोगों की संख्या मंहगाई की तरह दिन-दूनी, रात चौगुनी बढ़ने लगी है। अब समाज में वह आदमी जिसे कोई ईनाम न मिला हो वह सींग और पूंछ विहीन जानवर की हैसियत वाला मानव माना जाता है। सरकार भी समान भाव से साहित्यकारों से लेकर अपराधियों तक सब के सिर पे ईनाम घोषित करती रहती है। जिसके लिए ईनाम घोषित न हो या जिसने कोई ईनाम न हड़पा हो उसकी कहीं कोई इज्जत नहीं। वह न घर का होता है न घाट का। इसलिए भैया अगर इज्जतदार बनना है तो चाहे तलबे चाटो, चाहे मक्खन लगाओ। कुछ भी जुगत करो मगर ईनाम जरूर पाओ।

गीत

भूख

लक्ष्मण लड़ीवाला 'रामानुज'

कठिनाई से गुजरे जो भी, तपकर होते स्वयं खड़ें।
भूख गरीबी में पलकर ही, होते हम सब बहुत बड़ें ।।

दूध पिलाकर माता ने ही, पाल–पोष कर बड़ा किया।
बापू ने ही राह दिखाकर, जग में हमको खड़ा किया।।
सीधी राह चलाया हमको नहीं भटकने कभी दिया।
जब भी हम भटके हैं पथ से, तब अनुशासन कड़ा किया।।
कठिन राह से हमें गुजारा, भले शूल ही राह गड़ें।
भूख गरीबी में पलकर ही, होते हम सब बहुत बडें ।।

श्रम की कीमत नहीं जानते, जीवन व्यर्थ जिया करते।
पुरखों की ही दौलत पर हम, केवल ऐश किया करते ।।
नहीं देश को आशा उनसे, समय व्यर्थ बर्बाद करें।
गलत राह पर चले वहीं तो, घण्टों जाम पिया करते ।।
करनी का फल भोगे मानव, बिन समझे ही व्यर्थ अड़े।
भूख गरीबी में पलकर ही, होते हम सब बहुत बड़ें ।।

अपनी करनी पार उतरनी, गीता में समझाया है।
पुरखों ने भण्डार भरा है, श्रम सीकर से पाया हैं ।।
श्रम करने से सब पा जाते, माँगे से कब भीख मिले।
कड़ा परिश्रम किया उसी ने, लक्ष्य प्राप्त कर पाया हैं ।।
जितना चाहे दोहन करले, हीरा मोती भरे पड़ें।
भूख गरीबी में पलकर ही, होते हम सब बहुत बडें ।।

विनम्रता...

एक बार नदी को अपने पानी के प्रचंड प्रवाह पर घमंड हो गया। नदी को लगा कि मुझमें इतनी ताकत है कि मैं पहाड़, मकान, पेड़, पशु, मानव आदि सभी को बहाकर ले जा सकती हूँ।

समीक्षा ठाकुर

एक दिन नदी ने बड़े गवीर्ले अंदाज में समुद्र से कहा – बताओ ! मैं तुम्हारे लिए क्या क्या लाऊँ ? मकान, पशु, मानव, वृक्ष आदि जो तुम चाहो, उसे मैं जड़ से उखाड़कर ला सकती हूँ।
समुद्र समझ गया कि नदी को अहंकार हो गया है। उसने नदी से कहा यदि तुम मेरे लिए कुछ लाना चाहती हो तो, थोड़ी सी घास उखाड़कर ले आओ।
नदी ने कहा बस ! इतनी सी बात ! अभी लेकर आती हूँ।
नदी ने अपने जल का पूरा जोर लगाया पर घास नहीं उखड़ी। नदी ने कई बार जोर लगाया पर असफलता ही हाथ लगी। आखिर नदी हारकर समुद्र के पास पहुँची और बोली। मैं वृक्ष, मकान, पहाड़ आदि तो उखाड़कर ला सकती हूँ। जब भी घास को उखाड़ने के लिए पूरा जोर लगाती हूं तो वह नीचे की ओर झुक जाती है और मैं खाली हाथ उपर से गुजर जाती हूं।
समुद्र ने नदी की पूरी बात ध्यान से सुनी और मुस्कुराते हुए बोला – जो पहाड़ और वृक्ष जैसे कठोर होते है, ये आसानी से उखड़ जाते है, किन्तु घास जैसी विनम्रता जिसने सीख ली हो, उसे प्रचंड आंधी तूफान या प्रचंड वेग भी नहीं उखाड़ सकता।

'विश्वगुरु भारत'

समीक्षा ठाकुर

क्या लगा? तुमको मिलेगा श्वेत अम्बर,
याकि पुष्पों से सुशोभित सुर–स्वयंवर,
प्रकृति की ओट में शुभ अर्णिमा सा,
आएगा बृह्माण्ड से कोई दिव–दिगम्बर।

क्या बलाहक के पुहुप आशा भरेंगे,
या कि रत्नाकर के आभूषण सजेंगे,
क्या कभी इहलोक की दूषित हवा से,
शांति मय प्रासाद में घुंघरू बजेंगे।

तो सुनो, तुमको नहीं कुछ भान मानुष,
व्यर्थ हैनिजराशि पर अभिमान मानुष,
चन्द्र सा तुमको हिमित बनना पड़ेगा,
पी गरल इसको सुधा बस मान मानुष।

पथ को चुन शार्दूल सी हुंकार भरके,
लक्ष्य पाना है, भले प्रतिकार करके,
पार कर बाधा भंवर के पार जय है,
पुनः बढ़ दसशीश का संहार करके।

देख लो बृह्माण्ड से आया दिगम्बर,
धुंध को छांटा, दिया है श्वेत अम्बर,
राम के प्रासाद में घुंघरू बजे हैं,
व्याघ्र सी हुंकार भर आया पयंबर।

जागृत है अवनि की लो आज प्रभुता,
अब प्रबंधो को मिली हर सूक्ष्म क्षमता,
है सृजन प्रतिबिंब का ये नवप्रवर्तन,
हर पटल पर शोभिता है राज्य समता।

क्यूँ भला प्रासाद में न शांति न व्यापी,
हर दशक के वत्सरों में सृष्टि कांपी,
सुप्त था क्या हाय! वो सत्तापटल तब,
गिलगिती भूमि थी जब हर इंच नापी।

इस दशक में उन्नति की नींव रखकर,
हर हृदय में त्राणता का स्वाद चखकर,
जलज को भूखण्ड में करके निमीलित,
लो पुनः हम उठखड़े हैं कमर कसकर।

हम उठे तो विश्व के आयाम बदले,
मापदंडों से नये परिणाम बदले,
योग जाना, वेद की गायीं ऋचाएं,
दीर्घगामी लाभ नित निष्काम बदले।

आओ देखें और दिखाएं नवल भारत,
आत्मनिर्भर, दूरदर्शी, सबल भारत,
विश्व स्तर पर अटल है महीधर सा,

पुरानी स्थापत्य कला आज आधुनिकता से आगे

भारत के प्राचीन काल के एलोरा के कैलाशनाथ और तमिल के ऐरावत की अद्भुत स्थापत्य कलाओं का मुकाबला करता हुआ आधुनिक समाज आज भी दिखाई नहीं देता। आज के इंजीनियर भी इन कलाकृतिओं व इनकी अद्भुत, अविश्वशनीय वास्तु और स्नातक शैली को देखकर भौच्चके रह जाते हैं। मौजूदा समाज मेंआधुनिकता का बोलबाला है, वहीं प्राचीनतम स्थापत्य उन्हें चुनौती देता हुआ नजर आता है। इनकी बनावट मनुष्य के कौशल पर आश्चर्य करने पर ये मजबूर कर देते हैं। आज की आधुनिक तकनीकें इनके जैसी बनावट को बना पाने में अक्षम नजर आती है।

एल्लोरा का कैलाश

कैलाश पर्वत, भगवन शिव के निवास स्थान के आकर की तरह इस ऐतिहासिक कैलाश नाथ मंदिर को 40000 टन की चट्टान के मुख से उकेर कर बनाया गया था। यह एक मेगालिथ है जो अपने आकार, वास्तुकला और मूर्तिकला के कारण पुरे विश्व में प्रशिद्ध है।कैलाशनाथ मंदिर एक ही पत्थर से निर्मित विश्व की सबसे बड़ी संरचना है। इसकी निर्माण शैली परिपक्व एवं परिष्कृत है। मंदिर जिस चट्टान से बना है, पहले उसके चारों ओर अंग्रेजी यू के आकर में काटा गया, जिसमें 200000 टन पत्थरों को हटाया गया था।

आमतौर पर पत्थर से बनाए गए मंदिर नीचे की और से काटे जाते थे और फिर ऊपर से शिल्पकार तराशना व काटना प्रारम्भ करते थे परन्तु कैलासनाथ मंदिर के स्थापत्य की विशेषता है कि इसे ऊपर से नीचे काटा गया था जो इसके निर्माण को और अचंभित और अविश्वसनीय बना देताहै। इसके निर्माण में तकरीबन 100 साल व 7000 मजदूर लगे थे। इसमें जगह-जगह रामायण, महाभारत और पुराणों के अनेक दृश्य अंकित हैं। पुराणों में रावण द्वारा कैलाश पर्वत उठाने तथा शिवजी द्वारा अंगूठे से दबाकर रावण को विवश करने का अनोखा चित्र भी निर्मित्त है और यह सब पत्थरों से तराश कर बनाये गए हैं। इसकी निर्माण योजना पत्तदकाल के विरुपाक्ष मंदिर व कांची के कैलाश मंदिर पर आधारित है परन्तु सटीक नकल नहीं कही जा सकती। यह मंदिर वास्तव में वास्तु शिल्प का एक आश्चर्य है।

तमिलनाडु के ऐरावतेश्वर ऑकी संगीतमयी सीढ़ियां

12वीं शताब्दी में बानी द्रविड़ शैली में इस मंदिर की स्थापत्य भी अद्भुत है। संगीतमई सीढ़ियों और अविश्वसनीय कलाकृतियों से गाढ़ी हुई ये ऐरावत मंन्दिर जो भगवन शिव को समर्पित है, तमिलनाडु में स्थित है। धार्मिक आस्था के साथ ही कला को ध्यान में रखते हुए इस मंदिर को चोल वंस के राजाओं ने वास्तुशास्त्रियों की देखरेख में बनवाया था। इस मंदिर में पत्थरों में बने सुन्दर नक्काशों और इसकी बनावट स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना है।इसकी अश्चार्जनक सीढियाँ इसकी विशेषता दशार्ती हैं। इन सीढ़ियों में कदम रखने पर हर सीढ़ी से संगीत के अलग-अलग स्वर की ध्वनियाँ सुनाई देती हैं। यही इसकी अद्भुत वास्तु शैली का प्रमाण है। इसकी दीवारों, छतों पर पत्थरों पर आकर्षक नक्काशी देखीं जा सकती है जो हर किसी को अच्चम्भित कर देती है।

नवगीत

जाड़े की धूप

विनोद 'भृंग'

मौसम ने बदला है यह कैसा रूप।
छेड़ रही तन–मन को जाड़े की धूप।

सूरज के नखरों से
हो करके बोर,
नींद भरी आँखों से
जगती है भोर,
बदल गया दिन–भर का सारा प्रारूप।

पोखर के संग–संग
अलसाया ताल,
कुन–मुन–कुन करती है
फूलों की डाल,
कैसा है धरती का रूप ये अनूप।

थर–थर–थर काँप रहा
कोहरे का गात,
धूप अगर मिल जाए
बन जाए बात,
या फिर मिल जाए उसे गरम–गरम सूप।

सुधी पाठकों!

यू. पी. ऑब्जर्वर साहित्य संवाद के इस अंक के अतिथि साहित्य संपादक हैं अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त साहित्यकार एवं पत्रकार पंडित सुरेश नीरव जी....उनके सहयोग के लिए हृदय से आभार!

–संपादक
यू. पी. ऑब्जर्वर

सेहत/स्वास्थ्य

बीमारियों से बचाव के लिए 30 की उम्र के बाद जरूर कराएं ये जांच, लंबे समय तक रहेंगे स्वस्थ

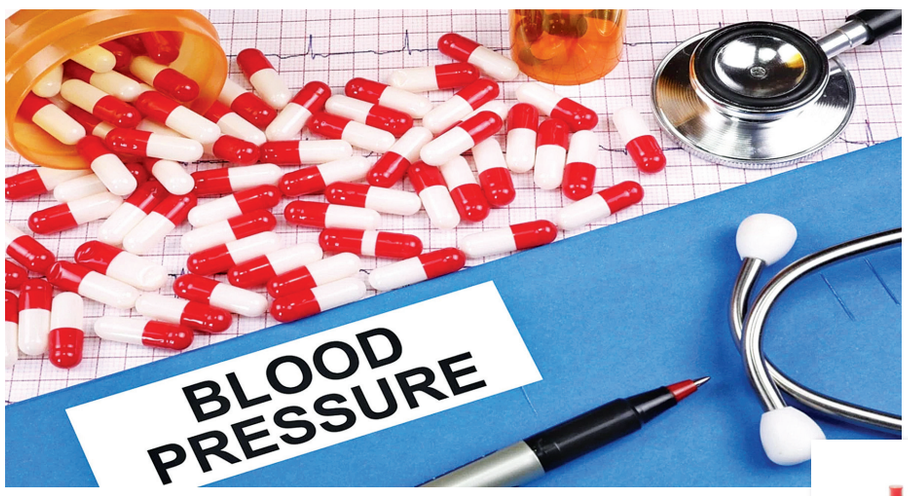

अच्छी सेहत पाने और बीमारियों से खुद का बचाव करने के लिए सभी लोगों को कुछ प्रकार की जांच कराते रहना चाहिए। भले ही आप स्वस्थ लेकिन फिर भी 30 की उम्र के बाद से आप हर महीने ये 2 जाचें जरूर करानी चाहिए।

अनन्या मिश्रा

अगर आप गंभीर बीमारियों से खुद का बचाव करना चाहते हैं, तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि शरीर के लक्षणों पर गंभीरता से ध्यान दें। आजकल कम उम्र में ही लोगों में क्रोनिक बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। ऐसे में आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति पहले अलर्ट हो जाना चाहिए। वहीं समय पर बीमारी का पता लगाने के लिए जरूरी है कि आप नियमित रूप से डॉक्टर की सलाह लेते रहें। वहीं जिन लोगों को पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या है, उनको अधिक सावधानी बरतनी चाहिए।

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं, अच्छी सेहत पाने और बीमारियों से खुद का बचाव करने के लिए सभी लोगों को कुछ प्रकार की जांच कराते रहना चाहिए। भले ही आप स्वस्थ और सेहतमंद हैं, लेकिन फिर भी 30 की उम्र के बाद से आप हर महीने ये 2 जाचें जरूर करानी चाहिए।

नियमित रूप से कराएं जांच

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, आजकल जिस तरह की लाइफस्टाइल और डाइट में गड़बड़ी देखी जा रही है। इस कारण सभी उम्र के लोगों को स्वास्थ्य जोखिम हो गया है। हालिया आंकड़ों की बात की जाए, तो 20 से कम उम्र वाले लोगों को भी हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा और हाई ब्लड शुगर जैसी बीमारियां हो रही हैं। यह शरीर के कई अंगों को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में आप इन स्वास्थ्य समस्याओं पर निरंतर ध्यान देकर इसको बढ़ने से रोक सकते हैं। इसके लिए आप नियमित ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जांच कराते रहें।

ब्लड शुगर की जांच

बता दें कि ब्लड शुगर की जांच कराते रहना डायबिटीज के लिए सबसे जरूरी है। वहीं जिन लोगों को पहले से टाइप 1 या टाइप 2 डायबिटीज है या इंसुलिन लेते हैं। उनको डॉक्टर नियमित जांच की सलाह दे सकते हैं। आप घर पर ही ग्लूकोज मीटर से ब्लड शुगर के लेवल को चेक कर सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि जिन लोगों के पेरेंट्स को डायबिटीज की समस्या रही है। उन लोगों को 30 की उम्र के बाद से हर महीने ग्लूकोज मीटक से और हर 6 महीने के अंतराल पर लुअ1 की जांच करानी चाहिए।

ब्लड प्रेशर की जांच

ब्लड प्रेशर के लेवल पर भी ध्यान देते रहना जरूरी है। क्योंकि ब्लड प्रेशर का लेवल अनियंत्रित होने से आंख, हार्ट और किडनी को खतरा हो सकता है। वहीं जिन लोगों के पेरेंट्स या परिवार में किसी को पहले से हाई ब्लड प्रेशर या हार्ट संबंधी समस्या रही है, तो इन लोगों को ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए। अगर आप ब्लड प्रेशर की दवा लेते हैं, तो इसकी रीडिंग को एक-दो दिन के अंतराल पर नोट करते रहें। वहीं अगर आपको ब्लड प्रेशर की समस्या नहीं है, तो आपको हर महीने इसकी जांच करवानी चाहिए।

जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो यदि ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर लिया जाए, तो गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को कम किया जा सकता है। इसलिए एक नियमित अंतराल पर हार्ट, शुगर और आंखों की जांच कराते रहना चाहिए। वहीं अगर फैमिली में पहले से किसी को ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या हार्ट संबंधी समस्या रही है, तो आपको अधिक सतर्क रहना चाहिए।

ब्यूटी / फैशन

ग्लिसरीन देगा चेहरे पर चांद सा निखार, यहां जानिए इस्तेमाल करने का बेहतरीन तरीका

अनन्या मिश्रा

हम सभी अपने फेस की हर छोटी समस्या के लिए अलग-अलग ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। इन प्रोडक्ट की वजह से त्वचा पर रिएक्ट की संभावना ज्यादा बढ़ जाती है। वहीं फेस पर एजिंग साइन, एक्ने, डलनेस, फाइन लाइंस और ड्राईनेस जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि सिर्फ 50 रुपए के एक प्रोडक्ट की सहायता से आप इस सभी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं।

दरअसल, आज हम आपको ग्लिसरीन इस्तेमाल करने के 3 ऐसे तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो फेस से जुड़ी सभी समस्याओं को हर कर देगा। अगर आप ग्लॉसी स्किन पाना चाहते हैं, तो आपको इस इंग्रीडिएंट को अपने स्किन केयर में शामिल करना चाहिए। तो आइए जानते हैं कि आप ग्लिसरीन को किस तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं।

आज हम आपको ग्लिसरीन इस्तेमाल करने के 3 ऐसे तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो फेस से जुड़ी सभी समस्याओं को हर कर देगा। अगर आप ग्लॉसी स्किन पाना चाहते हैं, तो आपको इस इंग्रीडिएंट को अपने स्किन केयर में शामिल करना चाहिए।

स्किन लाइटनिंग लिक्विड

एलोवेरा जेल- 2 चम्मच
ग्लिसरीन- 1 चम्मच
गुलाब जल- 1 चम्मच

ऐसे तैयार करें फेस लिक्विड

फेस लिक्विड बनाने के लिए 2 चम्मच एलोवेरा जेल, 1 चम्मच ग्लिसरीन और 1 चम्मच गुलाब जल अच्छे से मिक्स कर लें।

अब इसको फेस पर अप्लाई करते हुए कुछ देर तक मसाज करें।

बता दें कि यह रेमेडी आपके फेस को अलग लेवल पर शाइन देगी। जो आपकी खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देगी।

वहीं अगर आपकी त्वचा सेंसिटिव है। इस नुस्खे को डायरेक्ट इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट लेना न भूलें।

ग्लिसरीन से ब्लीच बनाने का तरीका

ग्लिसरीन- 2 चम्मच
नींबू का रस- 1 चम्मच

ऐसे करें अप्लाई

ग्लिसरीन से ब्लीच बनान के लिए एक कटोरी में 2 चम्मच गिल्सरीन लें और उसमें 1 चम्मक नींबू का रस मिला लें। अब फेस को अच्छे से साफकर धो लें।

फिर इसको अपने फेस पर अप्लाई करें और 15-20 मिनट बार फेस वॉश कर लें।

यह नुस्खा 10 दिन में एक बार आजमाएं।

इससे आपके फेस का निखार कई गुना बढ़ जाता है।

ग्लिसरीन से करें फेस मसाज

आप ग्लिसरीन से फेस मसाज भी कर सकती हैं। इसके लिए थोड़ा सा ग्लिसरीन लें और फेस पर अच्छे से मसाज करें। क्योंकि ये नॉन कॉमेडोजेनिक है, इसलिए पोर्स को ब्लॉक नहीं करता है। साथ ही आपकी स्किन में मॉइश्चर को भी एड करता है। वहीं अगर आपकी स्किन ऑयली है तो आप ग्लिसरीन में थोड़ा सा गुलाब जल मिलाकर फेस पर अप्लाई कर सकते हैं।

घरेलू नुस्खे

लहंगे में क्लासी और ग्लैमरस लुक पाने के लिए बेस्ट हैं ये न्यू डिजाइंस चोकर सेट, आप भी करें ट्राई

अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं, तो आप चोकर स्टाइल सेट वियर कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ न्यू डिजाइंस वाले चोकर सेट दिखाने जा रहे हैं।

अनन्या मिश्रा

महिलाओं और लड़कियों को लहंगा कैरी करना बहुत पसंद है। वहीं महिलाएं लहंगे में अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए ज्वेलरी कैरी करती हैं। लेकिन स्टाइलिश लुक पाने के लिए जरूरी है कि आप सही ज्वेलरी का चुनाव करें।

हालांकि ज्वेलरी में आपको कई सारे पैटर्न मिल जाएंगे। लेकिन अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं, तो आप चोकर स्टाइल सेट वियर कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ न्यू डिजाइंस वाले चोकर सेट दिखाने जा रहे हैं। आप लहंगे के साथ खूबसूरत, ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक पाने के लिए न्यू डिजाइंस वाले चोकर सेट वियर कर सकती हैं।

स्टोन वर्क चोकर सेट

आप लहंगे के साथ स्टोन वर्क चोकर वियर कर सकती हैं। यह न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इस तरह के चोकर सेट में स्टोन वर्क किया हुआ है। साथ ही इस सेट में मोती लगे हुए हैं। आप मार्केट में 400 रुपए तक इस तरह का चोकर सेट खरीद सकती हैं।

कुंदन वर्क चोकर

अगर आप डार्क कलर का लहंगा पहन रही हैं, तो आप कुंदन वर्क वाला चोकर सेट वियर कर सकती हैं। यह न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है। इस सेट में मोती वर्क है और यह आपके लुक को स्टाइलिश बनाएगा। आप मार्केट में 600 रुपए तक की कीमत में इस तरह का चोकर सेट ले सकती हैं।

पर्ल वर्क चोकर

अगर आप हैवी वर्क और लाइट कलर का लहंगा वियर कर रही हैं, तो आपको पर्ल वर्क चोकर सेट पहनना चाहिए। यह आपको स्टाइलिश और खूबसूरत लुक देने का काम करेगा। इस चोकर सेट में स्टोन और मोती है। यह आपके लुक को रॉयल बनाएगा। आप ऑनलाइन और ऑफलाइल दोनों जगह से 500 रुपए में इस तरह का चोकर सेट ले सकती हैं।

सिंपल चोकर सेट

अगर आप सिंपल लुक पाना चाहती हैं, तो आप सिंपल चोकर सेट पहन सकती हैं। यह आपको न्यू लुक देने के लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है।

पर्यटन

नेपाल घूमने का बना रहे प्लान तो एक्सप्लोर करें ये 5 फेमस जगह , जन्नत में होने का होगा एहसास

अगर आप भी नेपाल घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आज हम आपको काठमांडू में घूमने के लिए 5 बेस्ट जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। इसके अलावा आप नेपाल में पहाड़ों और जंगलों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

अनन्या मिश्रा

नेपाल एक ऐसी जगह है जो अपना प्राकृतिक सुंदरता और मंदिरों के लिए खासा फेमस है। नेपाल में घूमने के लिहाज से कई अच्छी जगहें हैं, जहां पर हर साल हजारों-लाखों की संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। नेपाल पहुंचकर लोग यहां की प्राकृतिक सुंदरता का दीदार करते हैं। इसके अलावा आप नेपाल में पहाड़ों और जंगलों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। वहीं नेपाल में हिंदू और बौद्ध धर्म के कई पीठ और मंदिर हैं। जहां पर आप दर्शन के लिए जा सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी नेपाल घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको काठमांडू में घूमने के लिए 5 बेस्ट जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

पशुपतिनाथ मंदिर

नेपाल घूमने आएं और यहां के सबसे फेमस और प्राचीन मंदिरों में से एक पशुपतिनाथ मंदिर काठमांडू में स्थित है। बता दें कि इस मंदिर के एक तरफ बागमती नदी बहती है। पशुपतिनाथ मंदिर भगवान शिव को समर्पित है।

बौधनाथ स्तूप

बौधनाथ स्तूप के बारे में आप सबने सुना होगा। यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और दुनिया के सबसे बड़े स्तूपों में से एक है। काठमांडू में मौजूद बौधनाथ स्तूप बौध धर्म और वास्तुकला दोनों का अद्भुत मिश्रण है। यह बौध स्तूप प्राचीन व्यापार मार्ग पर स्थित है। जो तिब्बत से काठमांडू की तरफ है।

थमेल

काठमांडू से आने वाले लोगों के लिए यह जगह एक फेमस डेस्टिनेशन है। यहां पर कई दुकानें, होटल और रेस्तरां हैं। जिन्हें विशेष रूप से लोगों के लिए अलग तरह से डिजाइन किया गया है।

गार्डन ऑफ ड्रीम

इस बेहद खूबसूरत पार्क को गार्डन ऑफ ड्रीम्स के नाम से जाना जाता है। यह काठमांडू का एक फेमस पर्यटन स्थल है। तो आपको शहर के भीड़भाड़ और तनावों से राहत और ताजगी देते का काम करता है। गार्डन ऑफ ड्रीम दुनिया की सबसे आश्चर्यजनक जगहों में से एक है।

स्वयंभूनाथ स्तूप

बता दें कि काठमांडू घाटी में पहाड़ी की चोटी पर स्वयंभूनाथ स्तूप स्थित है। यह एक टूरिस्ट प्लेस है। वहीं यह जगह काठमाडूं के सबसे अच्छे आकर्षणों में से एक है। यह पूरी जगह अलग-अलग तरह के पेड़ों से घिरा हुआ है।

गन्ना किस्म को.0238 के विस्थापन एवं नवीन गन्ना किस्मों का आच्छादन बढ़ाने हेतु आगे आयें चीनी मिलें: प्रमुख सचिव

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। प्रमुख सचिव, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग, उ.प्र. वीना कुमारी के कुशल नेतृत्व में गन्ना किसानों के व्यापक हितों के दृष्टिगत आगामी बसन्तकालीन बुवाई एवं रोगों से प्रभावी प्रजाति बदलाव विषय पर प्रदेश के गन्ना किसानों, वैज्ञानिकों, विभागीय अधिकारियों व चीनी मिल प्रबन्धन के साथ विस्तृत चर्चा हुई सम्पन्न। इस बैठक में आयुक्त, गन्ना एवं चीनी, उ.प्र. ने निर्देश दिया कि विभागीय अधिकारी चीनी मिलवार जलवायु एवं भौगोलिक दशाओं के अनुसार 25 दिसम्बर, 2024 तक तैयार करें माइक्रो प्लान तथा क्रियान्वयन भी सुनिश्चित करें।

आयुक्त, गन्ना एवं चीनी, उ.प्र. ने बताया कि गन्ना किस्म को.0238 में डी. जनरेशन उपज में आ रही गिरावट एवं रोग कीटों से अधिक प्रभावित होने के कारण इसके विस्थापन का निर्णय लिया गया है। इसी के दृष्टिगत गन्ना किस्म के बदलाव तथा रोग कीटों के प्रभावी नियंत्रण के समुचित योजना के क्रियान्वयन हेतु ब्रेन स्टार्मिंग सेशन आयोजित की गयी थी। बैठक में विभागीय अधिकारियों एवं चीनी मिलों को गन्ना किस्म को. 15023, को. 0118, को. लख. 14201, को. लख. 16202, को. शा. 13235, को. शा.17231, को. शा.18231 के बीज आरक्षित कर को. 0238 को विस्थापित करने के निर्देश दिये। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि गन्ने की सम्भावित कमी के दृष्टिगत फील्ड में खड़ी नर्सरी एवं अन्य प्लाटों में खड़ी फसल का बीज में चयन करते हुए बीज को आरक्षित करायें तथा प्रचार-प्रसार के माध्यमों से पोस्टर, बैनर एवं वाहनों से मुनादि द्वारा गन्ना किस्म को.0238 से होने वाले नुकसान एवं इसके विस्थापन के संबंध में किसानों को जागरूक करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं चीनी मिलों को निर्देश दिये कि गन्ना बुवाई के समय बीज व भूमि उपचार तथा ट्राइकोडर्मा के उपयोग द्वारा लाल सड़न एवं बील्ट के पैथोजन का उचित नियंत्रण हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस बैठक में संयुक्त प्रबन्ध निदेशक नवनीत सेहारा, अपर गन्ना आयुक्त (विकास) वी. के शुक्ल, अपर गन्ना आयुक्त (समितियां) डा. वी.बी. सिंह, अपर गन्ना आयुक्त (क्रय) विश्वेश कनौजिया, समस्त परिक्षेत्रीय अधिकारी, वैज्ञानिक एवं चीन मिलों के प्रतिनिधि के साथ-साथ जनपदों से वर्चुअल जुड़े प्रगतिशील गन्ना किसान उपस्थित रहे।

गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड एवं शीत लहरी से सुरक्षित रखने हेतु जिला प्रशासन कृत संकल्पित

जिलाधिकारी के निदेशों के क्रम में नगर मजिस्ट्रेट नोएडा ने अपने क्षेत्र में किया रात्रिकालीन भ्रमण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप शीत लहरी एवं ठंड को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में गरीब एवं असहाय लोगों को ठंड से सुरक्षित रखने हेतु डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा जनपद में विभिन्न स्थानों पर रैन बसेरों का संचालन, अलाव तथा अन्य राहत कार्य कराये जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज डीएम मनीष कुमार वर्मा के निदेशकों क्रम में नगर मजिस्ट्रेट नोएडा विवेकानंद मिश्रा ने नोएडा में रात्रि कालीन भ्रमण करते हुए सड़क किनारे फुटपाथ पर सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया और उनको बताया कि जिला प्रशासन की ओर से जनपद में रैन बसेरे बनाए गए हैं। आप खुले आसमान या सड़क किनारे फुटपाथ पर न सोए। उन्होंने आम जनमानस से भी अपील करते हुए कहा कि यदि उनको भी कोई व्यक्ति खुले आसमान में सड़क किनारे फुटपाथ पर सोता हुआ मिले तो, उसको रैन बसेरे के संबंध में बताएं कि वह ऐसे खुले में ना सोकर जिला प्रशासन द्वारा संचालित किये जा रहे रैन बसेरों में प्रवास कर सकते हैं। नगर मजिस्ट्रेट नोएडा ने कहा कि आगे भी जिलाधिकारी के नेतृत्व में इसी प्रकार से रात्रि कालीन भ्रमण करते हुए सड़क किनारे या खुले आसमान में सो रहे लोगों को रैन बसेरों में शिफ्ट कराया जाएगा एवं जनपद में संचालित रैन बसेरों में सभी मूलभूत सुविधाएं मानकों के अनुरूप बनी रहे उनका भी समय-समय पर औचक निरीक्षण किया जाएगा।

डीएनडी टोल ब्रिज के खिलाफ पहली लड़ाई आतंकवादी विरोधी मोर्चा ने लड़ी : राजेंद्र पंडित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। डीएनडी टोल ब्रिज के खिलाफ पहली लड़ाई आतंकवादी विरोधी मोर्चा ने लड़ी और सबसे बड़ा विशाल प्रदर्शन किया था। जिसका नेतृत्व 2005 में राजेंद्र पंडित और गुलशन शर्मा के द्वारा किया गया था।

राजेंद्र पंडित ने बताया की बड़े किसान नेता रहे चौधरी बिहारी सिंह का भी पूरा सहयोग इसमें मिला था। उसे समय टोल से मुक्त करने पैदल और साइकिल को भी रास्ता दिए जाने की मांग को लेकर यह विशाल प्रदर्शन किया गया था। इसकी कवरेज तब की नेशनल मीडिया बड़े समाचार पत्रों में जोर-जोर से हुई थी एक बड़े नेशनल अखबार ने कई दिन तक इसके लिए अभियान चलाया था हमारे प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय से भी एक

पत्र हमें प्राप्त हुआ था। आज उसलड़ाई को शहर के और संगठन ने भी बाद में कोर्ट में लड़ाई लड़ी राजेंद्र पंडित पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी और गुलशन शर्मा संयोजक आतंकवादी विरोधी मोर्चा ने याद करते हुए कहा की एकता से बड़ी से बड़ी लड़ाई जीती जा सकती है थोड़ा धैर्य और हौसला रखना चाहिए माननीय न्यायालय के आदेश का हम सभी स्वागत करते हैं।

अवैध भूजल दोहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

नगर मजिस्ट्रेट एवं भूर्गभ जल विभाग के अधिकारियों ने सेक्टर 129 नोएडा में स्थापित रियल एस्टेट परियोजना का अवैध बोरवेल को किया सील

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। सेक्टर 142 ग्राम शहादरा में अवैध रूप से संचालित दो आर.ओ. प्लांट को भी किया सीज गौतमबुद्ध नगर। डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जनपद में अवैध भूजल दोहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से नगर मजिस्ट्रेट, प्राधिकरण एवं भूगर्भ जल विभाग के अधिकारी गण निरंतर स्तर पर अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं।

इसी श्रृंखला में आज नोएडा के सेक्टर-129 में स्थापित रियल स्टेट परियोजना से अवैध भूजल दोहन की शिकायत प्राप्त होने पर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे द्वारा निर्गत निदेशों के क्रम में नगर मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्रा एवं भूगर्भ जल विभाग के संबंधित अधिकारियों के द्वारा संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया गया। नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि निरीक्षण के दौरान मौके पर अवैध रूप से स्थापित बोरवेल को तुरंत बंद कराते हुए मोटर निकालने हेतु निर्देशित किया गया है। इसके अतिरिक्त सेक्टर 142 ग्राम शहादरा में संचालित दो आर.ओ. प्लांट द्वारा अवैध भूजल दोहन की शिकायत प्राप्त होने पर मौके पर पहुंच कर उक्त आर.ओ. प्लांट को अधिकारियों की उपस्थिति में सील कर दिया गया तथा बोरवेल दोबारा चलाये जाने की स्थिति में प्लान्ट मालिको के विरुद्ध जुमार्ना लगाने की कार्यवाही की जाएगी। नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार अवैध भूजल दोहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी के नेतृत्व में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से अभियान चलाकर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सलाम नमस्ते में टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरूआत हुई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। आम लोगों में टीबी के प्रति जागरूकता के लिए रेडियो सलाम नमस्ते में सेहत सही लाभ कई कार्यक्रम के तहत टीबी मुक्त भारत अभियान की शुरूआत हुई। स्मार्ट संस्था के सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम में 6 दिसंबर से 15 मार्च तक टीबी की जागरूकता, टीबी चैंपियन की कहानियां एवं सरकार के द्वारा दी गई सुविधाओं की चर्चा की जाएगी। वहीं सलाम नमस्ते इस अभियान के तहत नोएडा एवं गाजियाबाद के गांवों में लोगों को जागरूक करेगा।

कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए आईएमएस के महानिदेशक प्रोफेसर डॉ. विकास धवन ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के लिए हम इस अभियान की शुरूआत कर रहे हैं। समाज को स्वस्थ एवं समृद्ध बनाने के लिए हम टीबी के प्रति सामाजिक जागरूकता, इसके लक्षण एवं उपचार के बारे में

लोगों को जानकारी मुहैया करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीबी जैसी बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी बेहद जरूरी है।

सलाम नमस्ते स्मार्ट संस्था की सहयोग से इस अभियान के जरिए स्थानीय समुदाय को जागरूक करने एवं सरकारी प्रयासों को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। वहीं सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि स्मार्ट संस्था की सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम में टीबी के प्रति सतर्कता के लिए स्थानीय लोगों को जागरूक किया जा रहा है। आज गाजियाबाद स्थित अर्थला गांव में महिलाओं एवं युवाओं के साथ टीबी जागरूकता के लिए रैली निकाली गयी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के माध्यम से टीबी रोग पर कार्यरत समाजसेवी संगठन, डॉक्टर, सरकारी अधिकारी, निक्षय मित्र, टीबी चैंपियन की जानकारी रेडियो के माध्यम से गांव में आम लोगों तक पहुंचाई जाएगी।

सशक्त आवाजें साक्षर हम फाउंडेशन द्वारा स्पीकिंग टैलेंट हंट प्रतियोगिता आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। शिक्षा और सशक्तिकरण में आशा की किरण साक्षर हम फाउंडेशन ने कंपोजिट स्कूल निठारी सेक्टर 31 नोएडा में एक सफल स्पीकिंग टैलेंट हंट प्रतियोगिता की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में युवा दिमागों के असाधारण वक्तृत्व कौशल का प्रदर्शन किया गया, जिसमें भविष्य के नेताओं को आकार देने में प्रभावी संचार के महत्व पर जोर दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चंद्र भूषण कुमार एबीएसए बेसिक शिक्षा विभाग ने छात्रों के आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में इस तरह की पहल की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस प्रभावशाली कार्यक्रम के आयोजन में फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की। अन्य अतिथियो मे लोकमंच के संस्थापक महेश सक्सेना, सामाजिक कार्यकर्ता राजेश्वरी त्यागराजन, सरकारी स्कूलों नयाबांस, झुंडपुरा, मोरना, गिझोर,

राजकीय स्कूल के प्रधानाचार्य और मेजबान स्कूल कंपोजिट स्कूल निठारी के प्रधानाचार्य और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के सम्मानित प्रतिनिधि राखी बसु आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर साक्षर हम फाउंडेशन की संस्थापक पियाली रॉय ने गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों और स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा की यह प्रतियोगिता सिर्फ जीतने के बारे में नहीं है बल्कि यह साहस, आत्मविश्वास और खुद को अभिव्यक्त करने की क्षमता पैदा करने के बारे में है। यह पहल शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने की साक्षर हम फाउंडेशन की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। फाउंडेशन जीवन और समुदायों को प्रभावित करते हुए परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करना जारी रखता है।

भाऊराव देवरस के विद्यार्थियों का चयन उत्तर प्रदेश राज्यस्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता मे हुआ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। सेक्टर 12 स्थित भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर के विद्यार्थियों का उत्तर प्रदेश राज्यस्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता मे चयन हुआ। विद्यालय के शारीरिक शिक्षा के आचार्य आशीष कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में नॉलेज पार्क में आयोजित 59 क्रास कंट्री रेस चैम्पियनशिप में भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर के छात्रों ने प्रतिभाग किया था। जिसमे 4 किलोमीटर रेस मे रिया ने वही 10 किलोमीटर रेस मे नमन ने और 2 किलोमीटर रेस मे लक्ष्य ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इन सभी खिलाडी विद्यार्थियों का चयन उत्तर प्रदेश राज्यस्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए हो गया है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सोमगिर गोस्वामी ने विद्यार्थियों को शुभाशीष देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा निरंतर प्रयास से ही सफलता प्राप्त होती हैं। यह सभी अगली प्रतियोगिता के लिए लखनऊ जाएंगे।

सत्यम स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन ने किया वार्षिक मीडिया फेस्ट का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नोएडा। सत्यम स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन ने अपने वार्षिक मीडिया फेस्ट, IGNITE 2K24 का सफल आयोजन किया। इस वर्ष का विषय ब्रेकिंग स्टीरियोटाइप्स, रिथिंक, रिसेप, रिक्रीएट था। यह आयोजन रचनात्मकता नवाचार और प्रतिभा के अद्भुत प्रदर्शन का प्रतीक बना और उपस्थित सभी लोगों पर गहरी छाप छोड़ी। फेस्ट में कई रोमांचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया' जिनमें अल्फाज, ओपन माइक, वॉक ऑफ' - फैशन शो, क्लिक-ओ-मानिया-फोटोग्राफी प्रतियोगिता, फुट लूज- ग्रुप डांस प्रतियोगिता, स्टेप अप- सोलो डांस बैटल, हल्ला बोल- नुक्कड़ नाटक, सप्तक- सोलो सिंगिंग प्रतियोगिता, आरजे हंट- सर्वश्रेष्ठ आरजे की खोज, फ्लिकइट- मोबाइल फिल्म मेकिंग

आदि शामिल रही' इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय राजधनी क्षेत्र के दौ सौ से अधिक छात्र छात्राओं ने भाग लिया। गणमान्य अतिथियों मे कंचन आजाद, ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी एंड स्पोकसपर्सन चीफ इलेक्ट्रॉरल ऑफिस , अनुमा आचार्य पूर्व विंग कमांडर और प्रवक्ता कांग्रेस, संजय सिंह आईपीएस, विशेष आयुक्त, दिल्ली पुलिस, सिमा कुशवाहा, वकील और समाजसेवी, सिमरन भारद्वाज, प्रसिद्ध गायिका और कलाकार, सपना शुक्ला, न्यूज एंकर और रिपोर्टर, न्यूज 18, दिलनवाज पाशा, रेडियो प्रस्तोता और पत्रकार, बीबीसी, तापस सेन, पूर्व प्रोग्रामिंग हेड, रेडियो मिर्ची, राधकी चौधरी, न्यूज एंकर, डीडी किसान, डॉ. राहुल गुप्ता, प्रसिद्ध चिकित्सक, फोर्टिस अस्पताल, आरजे रोहन, रेड एफएम, माही, प्रसिद्ध कोरियोग्राफर, आशीष, अभिनेता (फिल्म 'जीरो' के फेम), अरुण निश्छल, प्रसिद्ध गायक और संगम कला ग्रुप के क्षेत्रीय प्रमुख, प्रतीक श्रीवास्तव, आरएनआई, डॉ. स्नेह सिंह, चेयरपर्सन, एसजीआई, सीए (डॉ.) प्रदीप गुप्ता, ट्रस्टी सेक्रेटरी उपस्थित रहे। विशेष प्रस्तुति थिएटर कलाकार शिल्पी मारवाह के ग्रुप सुखमंच थिएटर द्वारा दी गई। उनके नुक्कड़ नाटक ने स्टीरियोटाइप्स पर करारा प्रहार किया और सभी दर्शकों को प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ररखटउ की आयोजन टीम डॉ. स्नेह सिंह चेयरपर्सन, डॉ. प्रदीप गुप्ता ट्रस्टी सेक्रेटरी, डॉ. वंदना जगलान प्राचार्या, डॉ. बिनीता अग्रवाल, प्राचार्या, डॉ. नेहा अग्रवाल, एचओडी , डॉ. एम. आलम, डीन, एसएसजेएमसी, प्रियंका सरकार, एचओडी, एसएसजेएमसी आदि का सहयोग रहा। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, छात्रों, मीडिया और विशेष रूप से प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने वाले गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

46 साल बाद दोबारा खुला कार्तिकेय मंदिर, 22 जगहों पर एएसआई टीम ने किया सर्वे

नई दिल्ली। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने यूपी के संभल में कार्तिकेय मंदिर में कार्बन डेटिंग की है। मंदिर को 46 साल तक बंद रहने के बाद 13 दिसंबर को फिर से खोला गया था। स्थानीय खातों के अनुसार, सांप्रदायिक दंगों के कारण स्थानीय हिंदू समुदाय विस्थापित हो गया था, जिसके बाद 1978 से मंदिर बंद कर दिया गया था। जिले के जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि एएसआई का निरीक्षण सावधानी से किया गया, जिसमें चार सदस्यीय टीम इस प्रक्रिया की निगरानी कर रही थी। अधिकारियों ने कार्बन डेटिंग की और 19 कुओं के निरीक्षण के साथ-साथ भद्रक आश्रम, स्वर्गदीप और चक्रपाणि सहित आसपास के पांच तीर्थ स्थलों की जांच की। एएसआई ने स्थानीय प्रशासन से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया था कि उनकी निरीक्षण गतिविधियां मीडिया की सुर्खियों से दूर रहें। अधिकारियों ने पहले कहा था कि मंदिर की खोज एक अतिक्रमण

विरोधी अभियान के दौरान हुई थी। अधिकारियों ने इस खोज को अनियोजित बताया। उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) वंदना मिश्रा, जो क्षेत्र में बिजली चोरी के खिलाफ अभियान का नेतृत्व कर रही थीं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का निरीक्षण करते समय, हमारी नजर इस मंदिर पर पड़ी। इस पर ध्यान देने पर, मैंने तुरंत जिला अधिकारियों को सूचित किया। मंदिर को दोबारा खोलने के बाद उसके पास एक कुएं की खुदाई के दौरान लगभग चार से छह इंच की तीन मूर्तियां मिलीं।

दो देवी पार्वती और लक्ष्मी की प्रतीत होती हैं, श्रमिकों को 15 से 20 फीट की गहराई तक खुदाई करने पर क्षतिग्रस्त हालत में मिलीं।

आइफा में वार्षिक कला प्रदर्शनी का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। इंस्टिट्यूट ऑफ (आइफा) में वार्षिक कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया यह प्रदर्शनी 17 दिसंबर से 23 दिसंबर तक चलेगी। इस प्रदर्शनी के आरंभ में अतिथियों का भारतीय रिवाज के तहत टीकाकरण एवं छात्र-छात्राओं द्वारा स्वनिर्मित (फटका) पहनाकर स्वागत किया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ) वीरपाल सिंह(प्रॉक्टर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ) एवं डॉ अलका तिवारी (कोऑर्डिनेटर फाइन आर्ट डिपार्टमेंट चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ) एवं विशिष्ट अतिथि अरविंद ओझा, एवं प्रोफेसर अमित कुमार (दिल्ली यूनिवर्सिटी) ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया । प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने अपने मन व मस्तिष्क की बातों को विभिन्न रंगों द्वारा फलक पर उकेरकर व अन्य माध्यमों से अपनी भावनाओं का एक साकार रूप प्रदान किया। रॉयल ड्राइंग स्कूल ऑफ आर्ट्स लंदन के शिक्षकों व संस्थान की शिक्षकों के निर्देशन में छात्र-छात्राओं द्वारा निर्मित कलाकृतियों के प्रदर्शन में शिक्षकों , अतिथियों व अभिभावकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों ने विभिन्न विभाग में जाकर वहां प्रदर्शित अत्यंत आकर्षक कलाकृतियां को दिखा और भूर भूर प्रशंसा की और छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाया। फाउंडेशन के छात्र- छात्राओं द्वारा निर्मित 12 मी लंबी कलाकृति को सभी ने सराहो पेंटिंग विभाग में बहुत ही आकर्षक पेंटिंग लगी हुई थी एवं फैशन विभाग में स्वनिर्मित वस्त्रपरिधान व एसेसरीज ने प्रदर्शनी की शोभा बढ़ाई।

अप्लाइड आर्ट विभाग में आकर्षक पोस्टर , एड कैंपेनिंग लगे हुए थे।इस प्रदर्शनी को सफल बनाने के लिए संस्थान के डायरेक्टर श्री एस के राय. मैनेजर डॉ संघर्ष शर्मा , भौतेंद्र कुमार , अमित कुमार बंसल, रुचि विद्यार्थी. प्रशांत झा. दीपांशु. नीलांजना, प्रीति शर्मा , शीतल, कविता, आभा शर्मा आदि का का भरपूर सहयोग रहा ।

भारतरत्न चौधरी चरणसिंह की 122 वीं जयन्ती पर कार्यक्रम आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। हिन्दुस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न चौधरी चरणसिंह की 122 वीं जयन्ती के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक कार्यक्रमों की श्रखंला में आज गांव चित्तौड़ा में चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी के आवास पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी तेजपाल सिंह व संचालन अरुण चौधरी भुल्लन ने किया गोष्ठी में सभी ने चौधरी साहब के सिद्धांतों एवं विचारों पर प्रकाश डाला।किसानों के मसीहा के बारे में वक्ताओं ने अपने विचार रखे चौधरी साहब की ईमानदारी और किसानों व मजदूर और देशहित में किए गए अनेकों कार्यों का उल्लेख किया गया चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा स्व चौधरी चरण सिंह अपने भाषण में किसानों से कहा करते थे अपनी एक नजर खेत पर और दूसरी नजर दिल्ली पर रखो वह कहते थे इस देश की खुशहाली का रास्ता गांव और खेतों से होकर गुजरता है वक्ताओं ने बताया चौधरी साहब ने ग्रामीण विकास मंत्रालय का गठन किया था जमीदार उन्मूलन चौधरी साहब ने कराया था,चकबंदी कानून जैसे बड़े काम चौधरी साहब की देन है केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के निजी सलाहकार बीरपाल मलिक ने कहा चौधरी चरण सिंह व्यक्तित्व नहीं एक विचारधारा थी और विचारधारा कभी खत्म नहीं होती विचारधारा समाज को एक नई प्रेरणा देती है इस अवसर पर' इंद्रजीत सिंह टीटू अजय प्रमुख' रविंद्र चौहान रणबीर दहिया' अरुण चौधरी भुल्लन' प्रदीप मुखिया' हिमांशु नागर' योगेंद्र व देवेंद्र पतला' विनोद गौतम' नरेंद्र गौतम' रामकुमार व बॉबी जलालाबाद' वीर सिंह सलेमाबाद' केवीके से डॉक्टर गुप्ता' डॉक्टर डीके सचान डा तुलसी देवी दिलावर सिंह' हरेंद्र फौजी' जितेंद्र सिंह' बलजीत सिंह' समरजीत सिंह' मनोज कुमार' आनंद सिंह' इंद्रपाल सिंह' ऋषिपाल सिंह' समीर चौधरी' गौरव प्रताप सिंह' सौरभ प्रताप सिंह' विजयपाल सिंह' सोनपाल सिंह' प्रेम सिंह आदि इस अवसर पर कई सौ लोग मौजूद रहे कार्यक्रम के अंत में इनेलो के चीफ व हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री के निधन पर सभी ने 2 मिनट का मौन रखा।

बालबाड़ी पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। बालबाड़ी पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि विनोद कुमार वैशाली नगर पालिका अध्यक्ष मोदीनगर, व देवेन्द्र चौधरी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश, प्रबन्धक विनय रुहेला, प्रधानाचार्या डॉ चीरू जोशी के शुभ हाथों से दीप प्रज्जवलित कर व तत्पश्चात गणेश वन्दना के साथ खेलों का शुभारम्भ किया। जिसमें कक्षा नर्सरी से लेकर पाँचवी तक के छात्र एवं छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के परिधान पहनकर अपने-अपने खेल को आगे बढ़ाया। जिसमें सभी बच्चों ने रेस की, व अपना उत्साह दिखाते हुए खुश हुए। विद्यालय के इस खेल समारोह में चेयरमैन संजय जैन, प्रबन्धक विनय रुहेला जी, प्रधानाचार्या डॉ नीरू जोशी तू सभी शिक्षकगणों ने खेल के महत्व को बताते हुए उनके उज्जवल भविष्य की और आशीर्वाद दिया।

गिन्नी देवी गर्ल्स कॉलेज में शिवरंजिनी कल्चरल क्लब द्वारा भारतीय परंपरागत आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति विषय पर व्याख्यान का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- कल्चरल क्लब की छात्राओं ने क्लब गीत सभ्यता संस्कृति और कला रोपित हो अपने जन जन में का गायन किया
- भारतीय आयुर्वेद हमारी भारतीय सभ्यता व संस्कृति का अभूतपूर्व अंग

मोदीनगर। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज में प्राचार्या प्रो.पूनम शर्मा के नेतृत्व में गत 13 दिसंबर में एक दिवसीय व्याख्यान विषय भारतीय परंपरागत आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति का आयोजन शिवरंजिनि कल्चरल क्लब के तत्वाधान में डॉ. आकांक्षा सारस्वत व डॉ.सारिका गर्ग की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के सम्मुख दीपप्रज्वलित कर किया गया तथा कल्चरल क्लब की छात्राओं ने क्लब गीत सभ्यता संस्कृति और कला रोपित हो अपने जन जन में का गायन किया ! प्राचार्या जी ने कहा की भारतीय आयुर्वेद हमारी भारतीय सभ्यता व संस्कृति का अभूतपूर्व अंग है तथा आज के समय में हमें जरूरत है कि हम भारतीय आयुर्वेद को अपने जीवन में अपनाये तथा स्वस्थ्य रहें। तत्पश्चात कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डी. जे. आयुर्वेदिक कॉलेज, मोदीनगर के डॉ. श्वेता अकादमिक डीन, ने छात्राओं को भारतीय परंपरागत आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति विषय पर व्याख्यान दिया ! छात्राओं ने बहुत उत्साह से इस व्याख्यान में प्रतिभागिता की तथा अपने प्रश्नों के उत्तर पाकर अपनी जिज्ञासा का निदान किया ! डी. जे. आयुर्वेदिक कॉलेज, मोदीनगर के डॉ. निकिता, डॉ. सोनल, डॉ. दर्शना व टीम ने छात्राओं व शिक्षिकाओं का परिक्षण करके विभिन्न रोगों के निदान भी बताये। कार्यक्रम में महाविद्यालय की डॉ. नूतन सिंह, रश्मि चौधरी, एशवर्या बहुगुणा सहित छात्राओं ने भारी संख्या में प्रतिभागिता की।

रालोद द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। आजादी के बाद अगर किसी ने किसानों की बात की और किसानों को आंदोलित किया एवं किसानों के लिए कार्य किया वो एक ही व्यक्तित्व था वो भारत रत्न चौधरी चरण सिंह थे। यह बात आज मोदीनगर विधानसभा के अंतर्गत ग्राम बुदाना में अरुण दाहिया (जिला अध्यक्ष प्रोफेशनल मंच) राष्ट्रीय लोकदल एव ग्राम उजेड़ा में सुमन चौधरी जिला अध्यक्ष नारी शक्ति संघटन द्वारा आयोजित किसान गोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि अमित त्यागी सरना जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल गाजियाबाद ने संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि आजादी से पहले सरदार वल्लभ भाई पटेल के भाई विठ्ठल पटेल की अहम भूमिका रही जो किसानों के लिए आंदोलन करते रहे गांधी जी के कहने पर सरदार पटेल जो वकालत करते थे किसानों की वकालत करने लगे जिससे अंग्रेज सरकार झुकी लेकिन आजादी मिलने के बाद किसानों की बात चौधरी चरण सिंह ने की। श्री त्यागी ने कहा कि राष्ट्रीय लोक दल किसान मजदूर पिछड़ों का दल है इसलिए हमें किसान आंदोलन के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए।

स्वामी सहजानंद सरस्वती ने भी किसानो के लिए बड़े बड़े आंदोलन किए लेकिन आजादी के बाद किसानों के लिए अगर किसी ने काम किया वो भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी थे। चौधरी साहब ने सरकार में रहते प्रधान मंत्री मोरारजी देसाई से लड़ गए अस्सी बीस की बात उन्होंने ही उठाई कि अस्सी प्रतिशत शहर में खर्च होता है जबकि बीस प्रतिशत गाँव में, महिलाओं के खेत में शौच जाने की बात भी चौधरी चरण सिंह द्वारा ही उठाई गई थी कि गाँव में ही शौचालय बनाये जाए,यही नहीं मनमोहन सरकार में जो नरेगा योजना लागू हुई थी, यह फूड फॉर वर्क योजना जो चौधरी साहब द्वारा चालू की गई योजना का ही एक हिस्सा है। जिला अध्यक्ष ने अपने संबोधन में संगठन पर जोर देते हुये कहा कि दल को मजबूत करें जब आपके दल में संख्या ज्यादा होगी तो आपको शिकायत नहीं करनी पड़ेगी उन्होंने आगे कहा बहुत लोग शिकायत करते हैं कि अधिकारी या दरोगा हमारी नहीं सुन रहा त्यागी ने कहा आप काम करें दल को मजबूत करे लोगों को जोड़ें दरोगा क्या एस0 पी0 आपकी सुनेगा।

वरिष्ठ नेता सतेन्द्र तोमर ने कहा कि आज हम सरकार में जरूर हैं मगर अपनी मांगों को नहीं छोड़ सकते हम किसानों के लिए लड़ते रहे है और लड़ते रहेंगे कल हम सड़क पर लड़ रहे थे आज मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्रियों से मिलकर अपनी बात कहेंगे और मनवायेंगें। हमारे नेता श्री जयंत चौधरी ने गन्ना का मूल्य 400 रुपए तय किया है वो मिलना चाहिए।किसान गोष्ठी को प्रदेश सचिव ओ डी त्यागी, रामभरोसे लाल मोर्या, अजीत खंजरपुर, सतीश राठी, नरेंद्र कुमार, तेजवीर दबाना, अमित आर के, जयदीप सिंह जी, योगेश फफराना, प्रदीप त्यागी ने संबोधित किया।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क आयुष्मान कार्ड शिविर का आयोजन

- शिविर में 70 व्यक्तियों के निशुल्क आयुष्मान कार्ड बनवाये गये

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क आयुष्मान कार्ड शिविर का आयोजन तीबरा रोड गली नंबर एक पर जिला कोषाध्यक्ष नवीन जायसवाल के संयोजन में आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन जनपद गाजियाबाद के भाजपा जिला अध्यक्ष सतपाल प्रधान ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ पवन सिंघल, नवीन जायसवाल, कि उपस्थिति रहीं।

निःशुल्क आयुष्मान कार्ड शिविर को सफल बनाने में अश्विनी गुप्ता, नि. सभासद निशा जायसवाल का सहभागिता रही ' कैम्प में 70 व्यक्तियों के निशुल्क आयुष्मान कार्ड बनवाये गये।

छाया स्कूल के नन्हे वैज्ञानिकों ने जिज्ञासा 24 में जीती 15 ट्राफियां

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल के नन्हे वैज्ञानिकों द्वारा आरकेजीआईटी संस्थान गाजियाबाद में आयोजित इंटर स्कूल टेक्निकल पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता जिज्ञासा 24 में सात प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये जिनको निर्णायक मंडल व सभी दर्शकों द्वारा सुंदर प्रस्तुति देने पर सभी ने खुलकर प्रशंसा की व उनके सुंदर कार्य की सराहना की संस्थान द्वारा सभी छात्र वैज्ञानिकों व उनके शिक्षक गणों जिनके मार्गदर्शन में उन्होंने उपलब्धि को हासिल किया ट्रॉफी व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया विद्यालय प्रबंधन द्वारा आज विशेष कार्यक्रम आयोजित कर सभी नन्हे मुन्ने वैज्ञानिकों वह उनके गाइडो का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया संस्थान के प्रबंधक अखिलेश द्विवेदी ने सभी विजेताओं कि इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई दी और भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसी तरीके से स्कूल व मोदीनगर का नाम रोशन करें उसके लिए आशीर्वाद दिया प्रधानाचार्य डॉक्टर अरुण त्यागी ने बताया कि स्कूल के बच्चे विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर विजेता रहे हैं और रोबोटिक्स के क्षेत्र में नई-नई चीजों का आविष्कार कर रहे हैं जो भविष्य में देश के लिए हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण रहेगी। इस मौके पर निशांत कुमार, पारुल व मोनिका त्यागी को भी उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

केएन मोदी में पीएमकेवीवाई के अंतर्गत प्रशिक्षण किट वितरण समारोह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डा के ० एन मोदी फाउंडेशन द्वारा स्थापित डॉ के ' एन मोदी सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट के तत्वावधान में कौशल विकास के विभिन्न प्रकार के कोर्सों में छात्र छात्राओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है इसी क्रम में डॉक्टर के एन मोदी इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण किट वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका संचालन मिश्र रुनझुन ने किया कार्यक्रम में 155 छात्र-छात्राओं को किट प्रदान की गई इस अवसर पर डॉक्टर के० एन मोदी फाउंडेशन के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉक्टर दीपंकर शर्मा एवं डॉक्टर शिशिर रस्तोगी ने अपने-अपने विचार छात्रों के सामने रखें एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉक्टर दीपंकर शर्मा ने बताया कि आज प्रत्येक व्यक्ति को कौशल विकास की आवश्यकता है क्योंकि होना रहे तो कद्र है डॉक्टर रस्तोगी ने बताया की एक अच्छे समाज का निर्माण तभी हो पाएगा जब हम समय से आज की तकनीक के साथ शाम सामजसय बैठा पाएंगे कार्यक्रम के अंत में डॉक्टर के० एन मोदी सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट एजीएम गौरव तिवारी ने बताया पिछले 8 वर्षों में डॉक्टर के० एन मोदी फाउंडेशन द्वारा कौशल विकास योजना के अंतर्गत 6000 से अधिक छात्र-छात्राओं को विभिन्न कोर्सों में प्रशिक्षण देने का कार्य किया गया है।

शिक्षाविद् एवं पूर्व प्रधानाचार्य स्व सेवा राम गर्ग की 83वीं जयंती पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉ० के० एन० मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य एवं शिक्षाविद् स्वर्गीय सेवाराम गर्ग को तिरासीवीं जन्म जयंती के अवसर पर उनके पुत्र समाजसेवी एवं उद्यमी डॉ० मुकेश गर्ग ने कॉलेज के 22 मेधावी छात्रों को नकद धनराशि और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत करते हुए उन्हें और अधिक मेहनत से अध्ययन कर अपने परिवार के साथ साथ अपने विद्यालय का नाम जिला एवं प्रदेश स्तर पर रोशन करने हेतु प्रेरित किया।वर्ष 2013 से प्रारंभ राज रानी सेवाराम गर्ग पुरस्कार स्वरूप विद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों को विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 1000 रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर 750 रुपए एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 500 रुपये की नगद धन राशि देकर छात्रों का उत्साहवर्धन करने का कार्य उनके पुत्र डॉ० मुकेश गर्ग द्वारा किया जा रहा है। विदित हो कि सेवा राम गर्ग जी ने मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में 1963 से 1990 तक प्रवक्ता के रूप में तथा 1990 से 2001 तक प्रधानाचार्य और उसके पश्चात्डॉ० के० एन० मोदी फाउंडेशन में शैक्षिक सलाहकार के रूप में कार्य किया। कॉलेज के प्रधानाचार्य सतीश चंद अग्रवाल ने छात्रों को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएँ दी तथा और अधिक मेहनत करने हेतु प्रेरित करते हुए इस कार्य के लिए डॉ मुकेश गर्ग को धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही अन्य छात्रों को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अधिक परिश्रम करने हेतु प्रेरित किया तथा विद्यालय में पधारे शहर के प्रतिष्ठित व्यक्तियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए आश्वस्त किया कि इस विद्यालय के छात्र और अधिक मेहनत कर अपने शहर का नाम उच्च स्तर पर रोशन करने का काम करेंगे।इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता तेजपाल सिंह, राजकुमार सिंह, दिनेश कुमार, शरद कुमार वाजपेयी, एवं एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने भी मेधावी छात्रों को शुभकामनाएं दी।कार्यक्रम सम्पन्न कराने में विद्यालय के शिक्षक योगेश चन्द शर्मा,बलराम सिंह,संजीव कुमार,अदिता त्यागी, सीमा सिंह,नीतू चौधरी,शिवानी बागोरिया,लै० राजीव जांगिड़, संजीव चौधरी, गौरव त्यागी,धर्म वीर सिंह, योगेन्द्र कुमार, सतीश बाबू आदि शिक्षकों का सहयोग रहा।मेधावी छात्र सम्मान समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता अरविंद भाई ओझा जी (प्रसिद्ध श्री हनुमत कथा मर्मज्ञ) ने तथा संचालन कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने किया।इस अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित व्यक्तियों मे पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री रामकिशोर अग्रवाल, डॉ० पवन सिंघल, प्रदीप कंसल(पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष कांग्रेस),सतेंद्र त्यागी (प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भाजपा) सुनील गुप्ता, राज ढींगरा(आइ-आइ ए अध्यक्ष) सत्यप्रकाश मोदी ,एवं पूर्व आइ आइ ए अध्यक्ष बृजमोहन कपूर आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।